दो शब्द

स्वयंसेवी संस्थाओं को तीन श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है। प्रथम श्रेणी में वे संस्थाएँ आती हैं जिनका निर्माण किसी आपातकालीन स्थिति जैसे बाढ़, भूकम्प इत्यादि से उत्पन्न हुई परिस्थितियों के कारण होता है। ये संस्थाएँ इन घटनाओं से हुए विनाश के समय मानवीय सहायता उपलब्ध कराती हैं। इन संस्थाओं का जन्म उसी विशेष उद्देश्य के लिए होता है तथा उद्देश्य के पूर्ण होने के पश्चात् ये समाप्त हो जाती हैं। दूसरी श्रेणी की संस्थाएँ वे हैं। जो स्थानीय रूप से किसी नगर, ग्राम अथवा क्षेत्र की समस्याओं को हल करने में लगी रहती हैं। इनका कार्य क्षेत्र तथा विस्तार भी अत्यन्त सीमित होता है तथा विकास की कोई दूरदृष्टि प्रायः इनके पास नहीं होती। तीसरी श्रेणी की संस्थाएँ सार्वकालिक एवं सार्वभौमिक होती हैं। इनके पास विकास की दूरदृष्टि तथा दूरगामी योजना रहती है। ये संस्थाएँ किसी एक बिन्दु पर नहीं अपितु समाज एवं राष्ट्र के समस्त विकास के लिए कार्य करती है। ऐसी संस्थाएँ समाज के पिछड़ेपन को दूर करने के प्रयत्नों के साथ–साथ इसके कारणों में भी जाने का प्रयास करती हैं एवं इन कारणों को दूर करती हैं। इनका कार्य तात्कालिक (Ad hoc) न होकर स्थायी लाभ पहुँचाने वाला होता है।

प्रथम तथा दूसरी श्रेणी की संस्थाओं का महत्व कम करके नहीं आंका जा सकता किन्तु फिर भी यह स्वीकार करना होगा कि तृतीय श्रेणी की संस्थाओं के कार्य अधिक स्थायी एवं दूरगामी प्रभाव छोड़ने वाला होता है। भारत विकास परिषद् इसी तृतीय श्रेणी का एक स्वयंसेवी संगठन है। इसकी शाखाएँ केवल भारत के कोने–कोने में ही स्थित नहीं हैं अपितु विदेशों तक इसका विस्तार हो चुका है। इसके द्वारा किया गया कार्य स्थायी हो इसी दृष्टि से स्थायी प्रकल्प (Permanent Project) की कल्पना की गई। इन प्रकल्पों की परिभाषा में एक आवश्यक तत्व यह है कि इनकी गतिविधि प्रत्येक दिन अथवा साप्ताहिक है।

देश भर में ऐसी स्थायी प्रकल्पों की संख्या लगभग 1100 है। इनमें विकलांग पुनर्वास केन्द्र, विद्यालय, चिकित्सालय, मुक्तिधाम, अस्पतालों में भर्ती मरीजों के तीमारदारों के लिए बनाए गए प्रतीक्षागृह इत्यादि सम्मिलित हैं। इनमें करोड़ो रुपये की पूँजी लगी हुई है तथा हजारों की संख्या में वैतनिक तथा अवैतनिक कार्यकर्ता कार्य करते हैं। इनकी गुणवत्ता एवं कार्यकुशलता किसी भी व्यापारिक संस्थान से कम नहीं है।

डा. के. एल. गुप्ता ने अत्यन्त परिश्रम से इन स्थायी प्रकल्पों का विवरण एकत्र किया है। वे इसके लिए बधाई के पात्र हैं। बहुत प्रयत्न करने पर भी कुछ प्रकल्पों के विवरण प्राप्त नहीं हो सके है। ऐसे प्रकल्पों के संचालकों से मेरा अनुरोध है कि अपना विवरण डा. के. एल. गुप्ता को प्रेषित कर दें ताकि भविष्य में इस पुस्तक के पुनर्वर्द्धित संस्करण में उन्हें सम्मिलित किया जा सके।

आशा है यह पुस्तक का यह नवीन संस्कार परिषद् के विशाल एवं महत्वपूर्ण स्थायी कार्यो की श्रंखला की समुचित झांकी प्रस्तुत करेगा तथा औरों को भी ऐसी कार्य करने के लिए अनुप्राणित करेगा।

– रविन्द्र पाल शर्मा, राष्ट्रीय अध्यक्ष

आमुख

भारत विकास परिषद् एक ऐसा सांस्कृतिक, समाजसेवी एवं गैर राजनैतिक संगठन है, जिसने भारतीय दर्शन, मूल्यों और संस्कारों को केन्द्र बिन्दु बनाकर विविध पारिवारिक एवं समाजिक प्रकल्पों को अपने हाथ में लेकर भारत के सम्पूर्ण एवं सर्वागीण विकास का प्रकल्प लिया है। समाज सेवा के परिप्रेक्ष्य में यह संगठन समाज के सम्पन्न एवं प्रबुद्धजनों को संगठित कर उनकी क्षमताओं का यथोचित उपयोग करके निर्धन एवं असहाय वर्ग के उन्नयन में लगा है। इस दृष्टि से परिषद् प्रान्तीय एवं शाखा स्तर पर अनेकानेक स्थायी प्रकल्पों का संचालन कर रही है।

वास्तव में किसी भी सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन के स्थायी प्रकल्प जहाँ एक ओर उस संगठन की कार्यशैली में स्थायित्व एवं सुदृढ़ता को परिलक्षित करते हैं वहां दूसरी ओर समाज में उसके सेवाभावी एवं संस्कार प्रधान क्रिया कलापों के प्रकटीकरण के प्रभावी एवं स्थायी मानदण्ड सिद्ध होते हैं। इसी सन्दर्भ में परिषद् के विभिन्न स्थायी प्रकल्पों का समग्र चित्र प्रस्तुत करने की दृष्टि से इस पुस्तक के इस नवीन संस्कार का सम्पादन किया गया है। यह उल्लेखनीय है कि इस समय उपलब्ध आँकड़ों एवं प्रान्त स्तरीय व्यवस्थाओं के आधार पर देश भर में लगभग 1,100 प्रकल्प चल रहे हैं, लेकिन इस पुस्तक में उन्हीं प्रकल्पों को शामिल किया गया है। जिनके बारे में शाखाओं/प्रान्तों से विस्तृत जानकारी प्राप्त हो सकी है।

इस दिशा में यह द्वितीय प्रयास है लेकिन कुछ अनेक सीमायें एवं प्रकाशन के चेयरमैन कमियाँ सम्भव हैं। एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री वरिन्द्र सम्भरवाल जी संकलन में केन्द्रीय प्रकाशन समिति के सभी सदस्यों एवं सभी प्रान्तों के महासचिवों के सहयोग के प्रति मैं धन्यवाद ज्ञापित कर ता हूँ।

–डा. के. एल. गुप्ता

अनुक्रमांक

1. हिमाचल प्रदेश पश्चिम	4
2. जम्मू–कश्मीर	5
3. हिमाचल प्रदेश पूर्व	5
4. पंजाब उत्तर	6
5. पंजाब दक्षिण	12
6. पंजाब (पूर्व)	14
7. हरियाणा उत्तर	16
8. हरियाणा दक्षिण	19
9. हरियाणा पश्चिम	20
10. दिल्ली दक्षिण	23
11. दिल्ली उत्तर	25
12. पश्चिमी उत्तर प्रदेश	26
13. रूहेलखण्ड	29
14. ब्रजप्रदेश	30
15. बुन्देलखण्ड	33
16. ब्रह्मावर्त	34
17. अवध गोरक्ष प्रदेश	37
18. काशी प्रदेश	38
19. बिहार दक्षिण	39
20. झारखण्ड	39
21. पश्चिम बंगाल	40
22. उडीसा	41
23. असम	43
24. राजस्थान उत्तर	44
25. राजस्थान पूर्व	45
26. राजस्थान पश्चिम	47
27. राजस्थान मध्य	50
28. राजस्थान दक्षिण	57
29. राजस्थान दक्षिण पूर्व	60
30. मध्य भारत पश्चिम	65
31. मध्य भारत पूर्व	66
32. गुजरात उत्तर–दक्षिण	67
33. महाराष्ट्र (कोस्टल)	68
34. आंध्र प्रदेश	69
35. आंध्र प्रदेश पश्चिम	70
36. कर्नाटका दक्षिण	70
37. केरेला	71
38. तमिलनाडु	72

1. हिमाचल प्रदेश पश्चिम

विकलांग सहायता केन्द्र–1, एम्बुलैन्स–2, औषधि विक्रय केन्द्र–2, सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र–1, : कुल 6

नगरोट बागबां (कांगड़ा)

1. विकलांग केन्द्र – यह केन्द्र सन् 1992 से कार्यरत है। इस केन्द्र के संचालन के लिये विकलांग पुनर्वास संस्थान का गठन किया गया है। इस दृष्टि से हिमाचल प्रदेश सरकार के जिला उद्योग केन्द्र से पट्टे पर प्राप्त दो शेडों में वर्कशाप तथा विकलांगों के लिये शयनालय चलाया जा रहा है। इस वर्कशॉप में एल्युमिनियम से बने कृत्रिम अंग तैयार किये जाते हैं। प्रत्येक दशा में लाभार्थी के माप एवं उचित परीक्षण के आधार पर यह अंग प्रदान किये जाते हैं। अगस्त 1992 से मार्च 2005 तक 3470 विकलांगों को कृत्रिम अंग/उपकरण प्रदान किये गये हैं। जिनमें से 2,679 विकलांगों को निःशुल्क प्रदान किये गये हैं। संस्थान का वार्षिक बजट 4.5 लाख रुपये है। इसमें वर्ष 2001–02 से भारत सरकार के 'सामाजिक न्याय एवं शक्तिकरण मन्त्रालय' से 1.25 लाख रुपये अनुदान के रूप में प्राप्त हो रहे हैं। पता–भारत विकास परिषद विकलांग पुनर्वास संस्थान, उद्योग नगर, नगरोटा, बागबां, जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) फोन 01892–252329, 253520

2. पंचगव्य औषधालय – इसके द्वारा बिना लाभ–हानि के आधार पर औषधियों का विक्रय किया जाता है।

3. एम्बुलैंस – शाखा सन् 1999 से रोगियों को यह सुविधा प्रदान कर रही है। इसके साथ ही विकलांग व्यक्ति कृत्रिम अंग लगवाने के लिऐ इसी वाहन से बुलाये जाते हैं। शाखा को यह एम्बुलैन्स स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा उपहार में दी गयी थी।

पालमपुर

1. सिलाई केन्द्र – महिलाओं को सिलाई का निःशुल्क प्रशिक्षण इस केन्द्र पर दिया जाता है। प्रतिवर्ष 20 से 25 महिलायें लाभान्वित होती हैं।

2. एम्बुलैंस – पालमपुर शाखा अगस्त 1999 से यह सेवा बिना लाभ–हानि के आधार पर प्रदान कर रही है। अब तक 400 रोगी लाभान्वित हो चुके हैं।

3. पंचगव्य औषधालय – इसके द्वारा न लाभ न हानि के आधार पर औषधियों का विक्रय किया जाता है।

2. JAMMU & KASHMIR

एम्बुलैन्स–1, डिस्पैन्सरी–1, स्थायी जलसेवा–1, पार्क अंगीकरण–1 अन्य–2 कुल 6

Shivalik Branch

1. Accupressure It is providing services on every sunday from 5.00 pm to 7.00 pm

Jammu West Branch

1. Ayurvedic Dispensary - It is providing services thrice a week at Smriti Bhawan, Bakshi Nagar.

Vivekanand Branch

1. Maintenance of Garden
2. Adarsh Marriage Bureau

Trikuta Nagar Branch

1. Ambulance Van
2. Permanent Water Tank at Jhuggi Jompri School

---

3. हिमाचल प्रदेश पूर्व

क्लीनिकल लैब – 3

शिमला, कुल्लू एवं पौंटा साहिब शाखायें :

क्लीनिकल लैब – तीनों शाखाओं द्वारा क्लीनिकल लैब चलायी जा रही है, जिसमें रक्त तथा मल–मूत्र का परीक्षण बिना लाभ–हानि के आधार पर किया जाता है। इससे वार्षिक लाभार्थियों की संख्या क्रमशः 2000, 500 तथा 400 है।

4. पंजाब उत्तर

विकलांग सहायता केन्द्र–1, विकलांग पोलियो अस्पताल–1, सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र –11, एम्बूलैंन्स–5, स्थायी जल मन्दिर–8, चिकित्सा केन्द्र–1, डिस्पैन्सरी–7, फिजियोथिरेपी केन्द्र–4, बाल संस्कार केन्द्र–3, कम्प्यूटर केन्द्र–3, वाचनालय–3, क्लीनिकल लैब–3, रक्तदान एवं रक्तदान सूची–2, नैत्र बैंक–2, स्कूल छात्र अंगीकरण–3, मलिन बस्ती अंगीकरण–2, स्कैनिंग केन्द्र–1, प्रौढ़ संस्कार केन्द्र–1, जीव दया–1, न्यूरोथिरेपी केन्द्र–1, ऑक्सीजन बैंक–1, नि:शुल्क कोचिंग कक्षायें–1, पार्क अंगीकरण–1, अन्य–7 : कुल 73

प्रान्त स्तरीय प्रकल्प

विकलांग सहायता केन्द्र तथा विकलांग स्वरोजगार एवं पुनर्वास केन्द्र, लुधियाना

विकलांग सहायता केन्द्र लुधियाना का शिलान्यास 16 नवम्बर 1996 को किया गया। इस केन्द्र के निर्माण के लिये प्रेरणा स्रोत श्री प्यारे लाल राही जी थे, जिन्होंने न केवल वहाँ के कार्यकर्त्ताओं को प्रेरित किया वरन् अपने एक मित्र श्री एस॰ एस॰ ग्रेवाल को इस केन्द्र के लिए स्थान देने के लिऐ भी प्रेरित किया। विकलांगों के सहायता कार्य को देख कर पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री स॰ प्रकाश सिंह बादल ने केन्द्र के लिए स्थान दिया और 5 लाख रुपये का अनुदान भी दिया। केन्द्र के निर्माण होने के पश्चात् 19 दिसम्बर 1999 को श्रीमती मेनका गांधी द्वारा इसका उद्घाटन किया गया। तब से लेकर यह केन्द्र निरन्तर अपने कार्य में अग्रसर है तथा अन्य सेवा कार्य में भी संलग्न हो रहा है। अब इसी केन्द्र में सुनने की मशीनें, अन्य विकलांगों को कृत्रिम अंग देने के अतिरिक्त ट्राईसाईकिल, व्हील चेयरज़, बैसाखी इत्यादि देने को भी व्यवस्था है। इस केन्द्र का संचालन भारत विकास परिषद् चैरिटेबल ट्रस्ट, पंजाब द्वारा किया जाता है।

20 मई 2000 को इसी केन्द्र में विकलांग स्वरोज़गार तथा पुनर्वास का कार्य भी प्रारम्भ किया गया है, जोकि सफलता पूर्ण ढंग से चल रहा है। इसमें मोमबत्तियाँ बनाना, चाक तथा डस्टर बनाना, मोजे बनाना, टेलरिंग का काम, कपड़ा छपवाना, कुर्सियों में बेंत लगवाना, विकास फुट (जयपुर) बनाना, चमड़े की बैल्ट बनाना, टाईपिंग, फ्लावर–पॉट पेंटिंग, कम्प्यूटर ट्रेनिंग, लिफ़ाफे बनाना, फूल पौंधों की नर्सरी इत्यादि का काम चल रहा है। अभी तक हजारों विकलांगों को बस एवं रेलवे पास की सुविधा भी दिलवाई जा चुकी है। 600 से अधिक लोगों को रोजगार दिलवाया जा चुका है। अब तक सरकार की ओर से ऋण दिलवाने का कार्य भी 70 विकलांगों के लिऐ किया जा चुका है।

3200 वर्ग गज में स्थापित इस केन्द्र के पास 12000 वर्ग फीट स्थान और उपलब्ध है। इस केन्द्र में प्रारम्भ से मार्च 2008 तक 768 शिविरों के माध्यम से 29,535 विकलांगों का पंजीयन हुआ, जिसमें से 25,816 विकलांगों को कृत्रिम अंग दिये गये। आज तक 2,132 पोलियो ऑपरेशन किये गए। 1,670 विकलांगों के पुनर्वास में सहयोग दिया गया है। यहाँ 70 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें 28 विकलांग हैं।

यह केन्द्र पंजाब प्रान्त तथा जम्मू–कश्मीर प्रान्त के विकलांग लोगों की सेवा हित काम करता आ रहा है। पंजाब प्रान्त के कई जिले जैसे लुधियाना, जालन्धर, कपूरथला, गुरदासपुर तथा मानसा को विकलांगता मुक्त कर चुका है एवं आंशिक तौर पर अमृतसर, रोपड़ तथा होशियारपुर में विकलांग मुक्त करने के प्रयास किये गये हैं।

3 दिसम्बर 2004 को इस केन्द्र को राष्ट्रपति पुरस्कार दिया गया था और जनवरी 2007 में इस केन्द्र को प्रधानमंत्री द्वारा फिक्की पुरस्कार प्राप्त किया गया।

पता : विकलांग सहायता तथा पुनर्वास केन्द्र, सी॰ ब्लॉक, ऋषि नगर, लुधियाना–141001 (पंजाब) फोनः 0161–2303804, 2302373, फैक्स–161–2534037

स्वास्थ्य सेवायेः

पिछले कुछ वर्षो में ट्रस्ट परिसर में विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। वर्तमान में ट्रस्ट परिसर में 18 विभाग दानी सज्जनों के नामों से चल रहें हैं, जिसमें 8 पोली क्लीनिक में, 3 पोलियो हस्पताल में, तीन ग्राम बस्ती में, तीन संस्कार योजना में तथा एक विकलांग पूनर्वास में है। वर्तमान में विभिन्न पैथी के लिए जो दानी सज्जनों ने सहयोग देकर विभाग प्रारम्भ करायें उनमें

1. काहन चन्द अग्रवाल भा.वि.प. पोली क्लीनिक, 2 स्वामी ब्रह्मानंद महाराज (भुरी वाले) भा.वि.प. फिजियोथरैपी, 3 सुमित्रा देवी अग्रवाल भा.वि.प., होम्योचिकित्सा, 4 जानकीदास जैन भा.वि.प. आँख विभाग, 5 हरलाल शीला देवी भा.वि.प. जनरल मैडीसन, 6 सरस्वती देवी जैन भा.वि.प. एक्युप्रैशर विभाग, 7 अमृतलाल अग्रवाल भा.वि.प. स्त्री रोग विभाग, 8 सुहाग रानी शर्मा दंत विभाग पोली क्लीनिक 9. हरिबस्सी भा.वि.प. पोलियो सरजरी एवं जनरल हस्पताल 10 भुषण लाल गोयल भा.वि.प. आप्रेशन थियेटर तथा 11 डॉ. हंसराज अग्रवाल भा.वि.प. जनरल वार्ड स्वाथ्य विभाग शामिल हैं।

ग्राम बस्ती योजना में चल रही चिकित्सा सेवाओं में (1) बिहारी लाल अग्रवाल भा. वि.प. चल चिकित्सा (2) स॰ आत्मासिंह भा.वि.प. चिकित्सा केन्द्र, भेरो मुन्ना तथा (3) स॰ बाबा गुरदित सिंह भा.वि.प. चिकित्सा केन्द्र ललहेडी शामिल हैं। अगस्त 2007 में 'राम प्रकाश विद्यावती जैन' की स्मृति में एक भा.वि.प. लैब एवं डायगनोस्टिक सैन्टर तथा इसी माह में ही 'ओमप्रकाश जैन भा.वि.प. एक्सरे विभाग' भी प्रारम्भ किया गया।

इनके साथ ही 'कैंसर एवं हृदय रोगियो की आर्थिक सहायता' प्रकल्प के अधीन उन मरीजों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जो मरीज अपना उपचार कैंसर तथा हार्ट की बीमारी के कारण नहीं करा पाते। गत दो वर्षों में 49 हार्ट एवं कैंसर के मरीजों के छः लाख रुपये की धन राशि से सहयोग किया जा चुका है।

ट्रस्ट परिसर में चल रहे शाखायों के स्थायी प्रकल्पः

सराभा शाखा लुधियाना

1. स्वामी बृह्मानंद भुरी वाले भा.वि.प. फिजियोथरेपी केन्द्र– यह केन्द्र 16 नवम्बर 2003 को प्रारम्भ किया गया, जिसमें 2 लाख रुपये की लागत से आधुनिक मशीनें

लगवाई गयी हैं।

2. तारावती पुण्यगोत्रा भा.वि.प. पुस्तकालय – इस पुस्तकालय में विभिन्न अखवार एवं पुस्तकों को बैठकर पढ़ने की व्यवस्था है।

डॉ. किचलू, लुधियाना

1. होम्योपैथिक औषधालय–शाखा ने दिसम्बर 2003 में कम्पेनियन होजरी फेक्ट्री, लुधियाना के सहयोग से श्रीमती सुमित्रा देवी अग्रवाल धर्मार्थ होम्योपैथिक औषधालय की स्थापना की हैं। इसमें विकलांगों को निःशुल्क और अन्य व्यक्तियों को नाम मात्र के मूल्य पर सलाह एवं औषधि उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है।

विवेकानन्द लुधियाना

1. सरस्वती देवी भा.वि.प. कम्प्यूटर शिक्षा केन्द्र–यह केन्द्र श्री एम॰ एल॰ आनन्द जी ने अपनी माताश्री श्रीमती सरस्वती देवी आनन्द के नाम से अर्थिक सहयोग देकर प्रारम्भ कराया। लन्दन स्थित दीदी विनोद खोसला ने एक लाख रु॰ की वित्तीय सहायता देकर इसमें कम्प्यूटर दिये। वर्तमान में इस केन्द्र में 5 कम्प्यूटर लगे हैं।

टैगोर शाखा लुधियाना

1. माधव नेत्र बैंक–इसमें दानी सज्जनों के मरणोपरांत नेत्रदान की इच्छा के लिए फार्म भरे जाते हैं।

हरि बस्सी भा.वि.प. विकलांग पोलियो एवं जनरल अस्पताल

भारत विकास परिषद् का देश भर में **यह** पहला ऐसा अस्पताल है जो केवल पोलियो के रोगियों के आपरेशन के लिये प्रारम्भ हुआ है। इस अस्पताल के लिये 25 लाख रु. सांसद निधि से प्राप्त हुआ है तथा मदन बस्सी परिवार एवं श्री एम. सी. भाटिया के सहयोग से भवन निर्माण कार्य पूरा हुआ है। इस अस्पताल का उद्घाटन 31 मार्च 2007 को पंजाब के मुख्य मंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल के कर कमलो से सम्पन्न हुआ। अस्पताल में प्रत्येक माह के दूसरे शनिवार को पोलियो रोगियों को भर्त्ती किया जाता है तथा अगले दिन रविवार को निःशुल्क आपरेशन किये जाते है। इसमें मार्च 2008 तक 292 पोलियो आप्रेशन किए जा चुके है।

शाखा स्तरीय प्रकल्प

जालन्धर दक्षिण

1. सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र – यह केन्द्र 'चमनलाल शर्मा मैमोरियल निःशुल्क सिलाई केन्द्र' के नाम से मॉडल हाउस, जालन्धर में 19 अक्टूबर 2003 से चल रहा है। इसमें 5 सिलाई मशीनें हैं और केन्द्र प्रतिदिन 2.30 से 5 बजे सांय तक चलता है। छः

महीने के प्रशिक्षण के पश्चात् शाखा द्वारा प्रमाण पत्र देने का भी प्रावधान है। प्रकल्प पर वार्षिक व्यय लगभग 24,000 रुपये हैं। पता : 13 बी मॉडल हाउस, जालन्धर।

2. क्लीनिकल लैब– यह लैब 4 अगस्त 2002 से कार्य कर रही है। सभी परीक्षण बाजार से आधे मूल्य पर किये जाते हैं। लैब प्रतिदिन खुलती है। पता : एम॰ आर॰ मैमोरियल चैरिटेबिल क्लीनिकल लैब, अड्डा बस्ती गुजा, (जालन्धर)

3. मलिन बस्ती का अंगीकरण (रसीला नगर)
4. वाटर कूलर सेवायें (ऊधमसिंह नगर)
5. रक्त दान दाता सूची एवं रक्तदान
6. स्कैनिंग केन्द्र (रतन हॉस्पीटल)
7. वाटर कूलर सेवा (बस्ती गुजा)
8. वाटर कूलर सेवा (अमन नगर)
9. सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र (गुरुनानक पुरा पश्चिम)
10. प्रौढ़ संस्कार केन्द्र (गुरूनानक देव स्कूल, गुरूनानक पुरा पश्चिम)
11. स्कूली बच्चों का अंगीकरण (पूरे वर्ष की फीस एवं स्टेशनरी की व्यवस्था)
12. वाटर कूलर सेवा (विरडी कॉलोनी)
13. निःशुल्क सिलाई केन्द्र (शम्भु मन्दिर)

जालन्धर मुख्य :

1. सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र
2. बाल संस्कार केन्द्र
3. दो बच्चों को पूरे वर्ष निःशुल्क इन्स्यूलेशन
4. अपाहज आश्रम में हाथ गाड़ी की व्यवस्था
5. एक सार्वजनिक शौचालय का रखरखाव एवं सफाई के पूर्ण व्यय

फगवाड़ा

1. एम्बुलैन्स – पिछले 11 वर्षों से
2. निःशुल्क मधुमेह जॉच केन्द्र
3. वाटर कूलर
4. 10 छात्रों का अंगीकरण (पूरे वर्ष के अध्ययन व्यय सहित)

जालन्धर चेतना

1. जीव दया

पठानकोट

1. आयुर्वेदिक डिस्पैन्सरी
2. फिजियोथिरेपी केन्द्र
3. न्यूराथिरेपी केन्द्र
4. शीतल जल व्यवस्था
5. एम्बुलैन्स सेवा
6. ऑक्सीजन बैंक
7. निःशुल्क कोचिंग केन्द्र
8. निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र

छतवाल

1. निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र
2. क्लीनिकल लैब
3. डिस्पैन्सरी
4. पानी की 31 टंकिया

हरयाल

1. संस्कार केन्द्र – संस्कृत स्कूल, हरयाल (पठानकोट)

शाहपुर कण्डी

1. सिलाई केन्द्र
2. औषधि बॉक्स (सात स्थानों पर)
3. पार्क रखरखाव
4. जुगियाल अस्पताल के लिये दूध/डबल रोटी सेवा

सुजानपुर

1. सिलाई केन्द्र (द्वारा – श्री तिलकराज गुप्ता, मौ0 पुरियान, सुजानपुर)

करोली

1. डिस्पैन्सरी
2. संस्कार केन्द्र

विवेकानन्द लुधियाना

1. कम्प्यूटर शिक्षा केन्द्र – यह केन्द्र श्रीमती सरस्वती देवी आनन्द भा॰वि॰प॰

कम्प्यूटर शिक्षा केन्द्र के नाम से ऋषिनगर में चलाया जा रहा है।

टैगोर लुधियाना

1. कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र – रूक्मणी बुद्ध कम्प्यूटर सेण्टर

2. होम्योपैथिक डिस्पैन्सरी – काहनचन्द्र अग्रवाल होम्यो चैरिटेबिल डिस्पैन्सरी श्री राधाकृष्ण मन्दिर कम्प्लैक्स, रेलवे मण्डी कालौनी, लुधियाना में चलायी जा रही हैं। वर्ष में लगभग 4000 रोगी इससे लाभ उठाते हैं।

सराभा, लुधियाना

1. फिजियोथिरेपी केन्द्र – यह केन्द्र ऋषिनगर में विकलांग सहायता केन्द्र पर 'स्वामी वृम्हानन्द भा0वि0प0 फिजियोथिरेपी केन्द्र के नाम से संचालित किया जा रहा है।

दीनानगर

1. सिलाई केन्द्र – भारत प्लास्टिक इण्डस्ट्री

बहरामपुर

1. एम्बूलैन्स
2. समाचार संग्रहालय (मुख्य बाजार)

बटाला

1. फिजियोथिरेपपी केन्द्र – यह केन्द्र 'बलायती राम प्रेमवती गोयल फिजियोथिरेपी एवं पुनर्निवेशन केन्द्र के नाम से 12 फरवरी 2006 को प्रारम्भ किया गया है ।
2. मलिन वस्तियों में वाटर कूलर

खन्ना

1. एम्बूलैन्स सेवा

महावीर, लुधियाना

1. मलिन बस्ती स्कूलों का अंगीकरण – (अ) परवोवाल रोड की झुग्गी क्षेत्र में (ब) धोलेलाल पश्चिम, बाल्मीकि कालोनी में तथा (स) शहीद भगत सिंह कालौनी, बाल्मीकि मन्दिर में।
2. नेत्र बैंक

अमृतसर मुख्य

1. एम्बूलैन्स सेवा
2. निःशुल्क सिलाई स्कूल

अमृतसर सिविल लाइन

1. सिलाई केन्द्र (आयुर्वेदिक कालेज के पास) लोहागढ़ गेट
2. निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं औषधि वितरण
3. प्रति सप्ताह टी॰बी॰ रोगियों को औषधि वितरण
4. निर्धन स्कूली बच्चों को गोद लेना

अमृतसर जनहित

1. निःशुल्क मधुमेह परीक्षण शिविर
2. 65 विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा

अमृतसर सैण्ट्रल

1. कुष्ठ आश्रम में पुस्तकालय

रय्या

1. रक्तदान दाताओं की सूची एवं रक्तदान

मुकेरिया

1. स्थानीय सिविल अस्पताल के मरीजों को निःशुल्क दुग्ध सेवा।

---

5. पंजाब दक्षिण

एम्बुलैन्स–2, सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र–5, पार्क विकास–1, नैत्र प्रत्यारोपण–1, चिकित्सा केन्द्र/ डिस्पैन्सरी–6, स्कूल संचालन–1, संस्कार केन्द्र–1, स्थायी जा सेवा–1, रक्तदान–1, नेत्रदान–1, कुल 19

अबोहर (1)

1. होम्योपैथिक औषधालय – यह औषधालय पिछले 10 वर्षों से जौहरी मन्दिर रोड पर चल रहा है, जिसमें प्रत्येक सप्ताह दो दिन निःशुल्क दवाई की व्यवस्था रहती है। वर्ष में 3 हजार से अधिक रोगी लाभ उठाते हैं।

अबोहर, शिवाजी

1. होम्योपैथिक डिस्पैन्सरी (2) – भाविप अबोहर द्वारा 1998 से लगातार निःशुल्क होम्योपैथिक डिस्पैंसरी चलाई जा रही है। पहली डिस्पैंसरी इंद्रा नगरी के नवयुग मॉडल स्कूल में लगातार चल रही है। वहीं दूसरी डिस्पैंसरी भगवानपुरा में विकास भवन में चलाई जा रही है। इस डिस्पैंसरी में जरूरतमंद लोगों को काफी लाभ मिल रहा है।

2. एम्बूलैंस सेवा – भाविप अबोहर शाखा द्वारा 1997 में शहर के नागरिकों को

मारूति वैन एम्बूलैंस समर्पित की जो शहर के नागरिकों के लिऐ अत्यंत महत्वपूर्ण सावित हुई। परिषद की यह एम्बूलैंस आने के बाद शहर के नागरिकों को भारी सुविधाएं मिली। इस एम्बूलैंस को तब भगत हंसराज जी ने लोगों को समर्पित किया था। परिषद की यह एम्बूलैंस दो लाख 24 हजार 804 किलोमीटर का सफर तय करके अब तक 920 रोगियों को अपने गंतव्य स्थल तक पहुँचा चुकी हैं। इसके पश्चात् शाखा ने 6 लाख रुपये से बनी क्वालिस एम्बूलैंस की सुविधा उपलब्ध कराई है। यह एम्बूलैंस गर्मी में ए0सी0 तथा सर्दियों में हीटर की सुविधा से युक्त है अब तक यह एम्बूलैंस 2.29 लाख किलोमीटर का सफर पूरा कर चुकी है।

3. **सिलाई व कढ़ाई केन्द्र** : भाविप शिवाजी अबोहर की ओर से करीब 10 साल से महिला सिलाई व कढ़ाई केन्द्र चलाये जा रहे हैं। ये केन्द्र अलग–अलग स्थानों पर चलाये जा रहे हैं। जिससे वहॉ रहने वाली लड़कियां इन केन्द्रों का लाभ उठा सकें। इन केन्द्रों से हजारों लड़कियां प्रशिक्षण लेकर आज अपना काम चला रही है। इन केन्द्रों पर प्रशिक्षण लेने के बाद प्रत्येक वर्ष लड़कियों का टैस्ट भी लिया जाता है और टैस्ट के आधार पर उन्हें पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता है।

4. मृतक वाहक वाहन : शाखा द्वारा 23 फरवरी 2002 से लगातार शहर निवासियों को इस वाहन की सुविधा दी जा रही हैं। 3,50,000 रुपये की लागत से बनी इस मुक्ति वाहन के लिए शिवपुरी में एक गैराज भी बनाया गया है।

5. संस्कार केन्द्र – शाखा के एक सदस्य द्वारा प्रदत्त किये गये भवन में एक संस्कार केन्द्र चल रहा है। इस केन्द्र में नर्सरी से आठवी कक्षा तक के बच्चों के लिऐ निःशुल्क ट्यूशन का प्रबन्ध भी किया जाता है।

6. स्थायी जलसेवा – शाखा द्वारा बस स्टैण्ड पर डेढ़ लाख रु0 की लागत से एक स्थायी प्याऊ का निर्माण कराया गया है।

7. रक्त दान सेवा – यह प्रकल्प सन् 1996 में आठ यूनिट रक्त दान करके प्रारम्भ किया गया था और सन् 2006 तक 2993 यूनिट रक्त दान कराया जा चुका है। लगभग 1800 रक्त दानियों की लिस्ट फोन या मोबाइल नम्बर और पूरे पते सहित प्रकल्प प्रभारी के पास रहती हैं और 24 घण्टे किसी भी समय फोन पर प्रभारियों से सम्पर्क किया जा सकता है।

8. नेत्रदान प्रकल्प : शाखा द्वारा यह प्रकल्प पॉच वर्ष पूर्व प्रारम्भ किया गया था और अब तक 168 व्यक्ति मरणोपरान्त अपने नेत्र दान कर चुके हैं और इस आधार पर 336 लोग इस नेत्र दान का लाभ उठाकर दुनिया को देखने योग्य बन चुके हैं।

मोगा

1. डॉ. सूरज प्रकाश विद्या मंदिर स्कूल – यह स्कूल 5 वर्ष से कार्यशील है। इसमें विद्यार्थियों को यूनीफॉर्म, पुस्तकें तथा कापियॉ निःशुल्क प्रदान की जाती हैं। (सम्पर्क : दूरभाष 01636–223992)

फ़ाज़िल्का

1. स्वामी विवेकानन्द पार्क – यह पार्क फ़ाज़िल्का–अबोहर मार्ग पर 28000 वर्ग फीट क्षेत्र में विकसित किया गया है, जिसमें स्वामी विवेकानन्द की प्रतिमा भी स्थापित की गई है।

जैतू

1. महिला सिलाई केन्द्र (प्रथम) : यह केन्द्र शाखा के भवन में ही पिछले 8 वर्षों से कार्य कर रहा है, जिसमें 15 सिलाई मशीनों एवं 3 कढ़ाई मशीनों की व्यवस्था है।

2. महिला सिलाई केन्द्र (द्वितीय) : यह केन्द्र गाँव चन्द्रभान में स्थापित किया गया है, जो 8 सिलाई मशीनों से सज्जित है।

3. होम्योपैथिक औषधालय : यह औषधालय भी शाखा के भवन में ही पिछले 6 वर्षों से कार्य कर रहा है। वर्ष में लगभग 2000 रोगी निःशुल्क चिकित्सा सुविधा का लाभ उठाते हैं।

फ़रीदकोट

1. नेत्र प्रत्यारोपण – फ़रीदकोट मैडिकल कॉलेज में भारत विकास परिषद नेत्र बैंक स्थापित किया गया है और अब तक 214 नेत्रों का प्रत्यारोपसा हो चुका है।

अन्य शाखायें

1. कोटकपूरा : महिला सिलाई केन्द्र, 2. रामसरा : निःशुल्क होम्योपैथिक डिस्पैन्सरी, 3. भटिण्डा : निःशुल्क होम्योपैथिक डिस्पैन्सरी, 4. वधापुराना : महिला सिलाई केन्द्र, 5. मलोट : निःशुल्क होम्योपैथिक डिस्पैन्सरी

6. पंजाब (पूर्व)

परिषद् भवन–2, सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र–3, क्लीनिकल लैब–1, स्थायी जल मंदिर–6, मुक्तिधाम–2, डिस्पैन्सरी–1, डायइग्नोस्टिक केन्द्र–4, बाल संस्कार केन्द्र–1, रक्तदान–3, छात्र सहायता शिक्षा कोष–16, सामूहिक सरल विवाह–1 : कुल 40

पंजाब (पूर्व) प्रान्त में 40 स्थायी प्रकल्प चल रहे हैं, प्रकल्पों के अनुसार विवरण निम्न प्रकार हैं –

	प्रकल्प	शाखायें	संख्या
1.	भारत विकास परिषद चैरिटेबल डाइग्नोस्टिक केन्द्र	चण्डीगढ़, रामदरबार मोहाली, डेराबस्ती	4
2.	परीक्षण प्रयोगशाला	नांगल	1
3.	स्थायी प्याऊ / टैंक / कूलर	धूरी, मण्डी गोविन्दगढ़, सरहिन्द बस्सीपठाना, अमरगढ़, संगरूर	6
4.	बाल संस्कार केन्द्र	चण्डीगढ़ ;पश्चिमद्ध	1
5.	निःशुल्क होमियोपैथिक डिस्पैन्सरी	पटियाला	1
6.	भारत विकास परिषद भवन	पटियाला, डेराबस्ती	2
7.	सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र	चण्डीगढ़, पटियाला, खमानू मण्डी	3
8.	शिक्षा कोष छात्रों की सहायता हेतु	चण्डीगढ़, मोहाली, रोपड़, बस्सी पठाना नांगल, सरहिन्द, मण्डीगोविन्दगढ़, पटियाला, नाभा, राजपुरा, धुरी, मलेरकोटला अहमदगढ़, डेराबस्सी,सुनाम, बरनाला	16
9.	मुक्तिधाम रखरखाव	खमानू मण्डी, बरनाला	2
10.	सामूहिक सरल विवाह	राजपुरा	1
11.	रक्त दान व्यवस्था	मोरिन्दा, बस्सीपठाना, सरहिन्द	3
		योग	**40**

पंजाब (पूर्व) के उपर्युक्त प्रकल्पों में **भारत विकास परिषद् चैरिटेबल डायग्नोस्टिक केन्द्र चण्डीगढ़** के क्रिया–कलाप काफी उल्लेखनीय हैं। यह केन्द्र भारत विकास परिषद चैरिटेबिल ट्रस्ट, चण्डीगढ़ द्वारा चलाया जा रहा है और आयकर में धारा 80जी में दान की करमुक्ति के लिये स्वीकृत है। केन्द्र ने सन् 1997–98 में अपने कार्य का श्री गणेश किया था। सन् 1997–98 में मरीजों की संख्या मात्र 4,087 थी जो 2002–03 में 30,650 हो गयी और 2006–07 में 50,000 से अधिक होने का अनुमान है। केन्द्र की सम्पत्तियों का वर्तमान मूल्य लगभग 20 लाख रूपये और वार्षिक व्यय लगभग 30 लाख रूपये हैं। प्रतिदिन लगभग 200 मरीज केन्द्र की निःशुल्क बाह्यरोगी सलाह सेवा का लाभ उठाते हैं। सभी क्लीनिकल परीक्षण बिना लाभ–हानि के आधार पर किये जाते हैं। केन्द्र की परीक्षण रिपोर्ट पी0जी0आई0 जनरल हास्पीटल तथा सरकारी डिस्पेन्सरियों में मान्य हैं।

यह उल्लेखनीय है कि सन् 1991 में इस केन्द्र का प्रारम्भिक कार्य इन्द्रिरा होलीडे होम में मात्र 200 वर्ग फुट के कमरे में प्रारम्भ हुआ था जो वर्तमान में एक आधुनिक पूर्ण रूपेण डायग्नोस्टिक का रूप ले चुका है। इस केन्द्र में पैथोलोजिकल लैब, हृदय रोग केन्द्र, अल्ट्रासाउण्ड केन्द्र, एक्सरे केन्द्र तथा दन्त देखभाल केन्द्र के अतिरिक्त ओ॰पी॰डी॰ सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं। ओ॰पी॰डी॰ सुविधाओं में स्त्री रोग, सामान्य चिकित्सा, हड्डी रोग तथा होम्योपैथिक सलाह एवं उपचार की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। यहाँ पर आपरेशन की आधुनिक सुविधाओं सहित एक नेत्र चिकित्सा केन्द्र भी स्थापित किया जा रहा है। यह डायग्नोस्टिक केन्द्र योग्यतम डाक्टरों, तकनीशियनों तथा पर्याप्त स्टाफ से सुसज्जित है।

7. हरियाणा उत्तर

परिषद् भवन–2, एम्बुलेन्स–1, सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र–7, क्लीनिकल लैब–5, वाचनालय–1, औषधालय/डिस्पेन्सरी–8, (एक चल डिस्पेन्सरी सहित), फिजियो थैरपी केन्द्र–2, स्कूल अंगीकरण–1, योग केन्द्र–3, स्थायी जल सेवा–1 विविध –4 : कुल 35

पंचकुला

1. फ़िजियोथिरेपी केन्द्र :– पंचकुला शाखा ने 2 लाख रूपये की लागत से एक फिजियोथिरेपी केन्द्र स्थापित किया है। इस केन्द्र का उद्घाटन 3 दिसम्बर 2002 को न्यायमूर्ति जितेन्द्र वीर गुप्ता जी द्वारा किया गया था। इस केन्द्र का वार्षिक व्यय लगभग 2 लाख रुपये हैं।

2. एक्सरे इकाई :– शाखा ने चार लाख रुपये की लागत से एक एक्सरे इकाई दिसम्बर 2003 स्थापित की है। इस पर वार्षिक व्यय लगभग 15,000 रूपये आता है।

3. माता लक्ष्मीबाई परिषद दन्त क्लीनिक :– लगभग डेढ़ लाख रुपये की लागत से यह क्लीनिक जुलाई 2005 में स्थापित किया गया है।

4. स्थायी जल सेवा :– शाखा ने शहर में चार विभिन्न स्थानों पर स्थायी जल सेवा की व्यवस्था की हैं।

5. श्रीमाधव जी परिषद निःशुल्क होम्यो क्लीनिक – बीस हजार रुपये की प्रारम्भिक लागत से इस क्लीनिक की स्थापना जुलाई सन् 2006 में की गई है।

6. श्री मुक्ति नाथ वेद विद्या आश्रम, संस्कृत गुरूकुल पंचकुला :– वर्ष 2005–06 में परिषद द्वारा इस गुरूकुल के छात्रों के लिए प्रतिदिन 10 लीटर दूध तथा प्रतिमाह लगभग 10 हजार रुपये के राशन के अतिरिक्त वस्त्र, पुस्तकें, विस्तर, उत्तर पुस्तिकाएँ इत्यादि उपलब्ध करायी गयीं और इस प्रकार वार्षिक व्यय 2.25 लाख रूपये हुआ।

7. परिषद भवन – शाखा ने अपनी विविध क्रियाकलापों के लिये परिषद भवन भी बनाया है।

अम्बाला कैण्ट

1. होमियोपैथिक डिस्पैन्सरी – यह पिछले 8 वर्षों से कार्यरत है तथा रोगियों को निःशुल्क औषधि प्रदान की जाती है।

पेहोवा

1. सिलाई केन्द्र – यह केन्द्र अग्रवाल धर्मशाला में पिछले 6 वर्षों से कार्यशील हैं इसमें 30 सिलाई मशीनों की व्यवस्था है।

करनाल

1. डिस्पेन्सरी (जुण्डला गेट) – इसमें गरीब रोगियों को निःशुल्क सलाह एवं औषधियॉ प्रदान की जाती हैं । प्रतिदिन लगभग 100 रोगियों को देखा जाता है।

2. डिस्पेन्सरी (रामनगर) यह डिस्पेन्सरी पिछले छः वर्षों से कार्य कर रही हैं । यह दो घण्टे खुलती हैं और लगभग 20 से 25 मरीज़ों को प्रतिदिन देखा जाता है।

3. स्वास्थ्य परीक्षण केन्द्र

सधोरा

1. सिलाई केन्द्र – यह केन्द्र सन् 1999 से कार्य कर रहा है जिसमें निःशुल्क आधार पर 6 माह के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की व्यवस्था चल रही है।

2. स्वास्थ्य परीक्षण केन्द्र – यह केन्द्र सर्वमनोकामना मंदिर में साप्ताहिक आधार पर चलाया जाता रहा है जिसमें जरूरतमंद लोगों के लिये स्वास्थ्य परीक्षण की निःशुल्क व्यवस्था है।

3. बस शेल्टर – स्थानीय बस स्टैण्ड पर महिला यात्रियों की दृष्टि से शाखा द्वारा इसका निर्माण किया गया है।

तरावड़ी

1. चिकित्सा वाहन सेवा – जरूरतमन्द लोगों को सहायता करने की दृष्टि से यह सेवा चलायी जा रही है।

2. गौशाला को भूसा – इस व्यवस्था के अन्तर्गत स्थानीय गौशाला को प्रतिदिन निःशुल्क भूसा उपलब्ध कराया जाता है।

पानीपत, मॉडल टाउन

1. सिलाई केन्द्र – यह केन्द्र पिछले छः वर्षों से कार्यशील है।

2. योग प्रशिक्षण – इस व्यवस्था के अन्तर्गत प्रतिदिन योग प्रशिक्षण की सुविधा दी गई है।

समालखा

1. सहायता केन्द्र – सड़क दुर्घटना की सूचना मिलने पर निःशुल्क सहायता एवं औषधि उपलब्ध कराने की व्यवस्था है। यह व्यवस्था दुर्घटनास्थल पर ही प्रदान कराने का प्रयास किया जाता है।

कैथल

1. सिलाई केन्द्र – शाखा द्वारा परिषद् भवन (चिरजींव कालौनी, अम्बाला रोड, कैथल) में निःशुल्क सिलाई केन्द्र चल रहा है। इसमें 6 माह तक कक्षायें लगाने के बाद छात्राओं की परीक्षा स्थानीय आई0टी0आई0 के प्रशिक्षकों द्वारा ली जाती है। इस परीक्षा

मे पास होने वाली छात्राओं को परिषद की ओर से प्रमाण–पत्र दिये जाते हैं।

2. योग प्रशिक्षण केन्द्र – अम्बाला रोड पर स्थित सुन्दर वाटिका में परिषद की ओर से योग प्रशिक्षण केन्द्र चलाया जा रहा है, जिसमें प्रातः एक घण्टे योग प्रशिक्षण दिया जाता है।

लाडवा

1. क्लीनिकल लैबोरेटरी–शाखा ने फरवरी 2007 में सिविल अस्पताल पास एक धर्मार्थ क्लीनिकल लैबोरेटरी प्रारम्भ की हैं। इस लैबोरेटरी में सभी प्रकार के परीक्षण आधुनिक मशीनों एवं योग्य तकनीशियनों द्वारा रियायती शुल्क पर किये जाते हैं।

अम्बाला सिटी

1. परिषद् भवन – अग्रसैन चौक में शाखा ने परिषद भवन बनाया है जिसमें फर्नीचर, जनरेटर इत्यादि की पूरी व्यवस्था है। (दूरभाष – 2533958)

2. संस्कार एवं सिलाई केन्द्र – इस केन्द्र में निकटवर्ती गांवों की छात्राओं के लिये संस्कार शिक्षा एवं सिलाई प्रशिक्षण की व्यवस्था है। यह केन्द्र विगत 20 वर्षों से कार्य कर रहा है और 5000 से भी अधिक महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण प्रदान कर चुका है।

3. सेवार्थ चिकित्सा प्रयोगशाला – यह लैब सन् 1986 से परिषद भवन में चल रही है।

4. चिकित्सा वाहन – यह सेवा परिषद भवन से ही गत 14 वर्षों से चलायी जा रही है यह वाहन प्रयोगशाला X-Ray, E.C.G. Nebuliser तथा रक्त परीक्षण के लिये ऑटो एनालईजर की सुविधा से युक्त है।

5. वाक्यशक्ति थैरेपी (Speech Theraphy) केन्द्र – यह केन्द्र पिछले 8 वर्ष से चल रहा है।

6. योग प्रशिक्षण केन्द्र – यह केन्द्र परिषद् भवन में ही चलाया जा रहा है जिसमें प्रतिदिन प्रातः योग कक्षायें लगती हैं।

जगाधारी

1. पैथोलॉजी लैब – इसमें विविध परीक्षण बहुत रियायती दर पर किये जाते हैं।

2. सिलाई केन्द्र – इसमें निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

यमुना नगर

1. पैथोलॉजी लैब
2. फिजियोथिरेपी लैब

नारायनगढ़

1. बुक बैंक – इस बैंक से निर्धन छात्रों को वापसी की शर्त के आधार पर पुस्तकें निर्गत की जाती हैं।

2. सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र – इस केन्द्र पर ग्रामीण क्षेत्र की लड़कियों को निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

---

8. हरियाणा दक्षिण

सिलाई केन्द्र–2, फिजियोथेरेपी केन्द्र–2, डिस्पैन्सरी–1, क्लीनिकल लैब–2, स्थायी जलसेवा–4 स्कूल अगीकरण–1, अन्य–1 कुल 13

मानसरोवर, रोहतक

(1.) फिजियोथैरेपी केन्द्र (2.) आयुर्वेदिक चिकित्सालय (3.) सिलाई–कढ़ाई केन्द्र (4.) प्रयोगशाला (लैब) (5.) मोबाइल रिपेयर प्रशिक्षण केन्द्र

गन्नौर

(1.) शीतल जलसेवा– वाटर कूलर (2.) जलसेवा–हैण्ड पम्प

पलवल

(1.) साप्ताहिक महिला क्लीनिक

महेन्द्रगढ़

(1.) जलसेवा–तीन स्थानों पर पानी की टंकी

सोनीपत

(1.) स्कूल को गोद लेना

नांगल चौधरी

(1.) जलसेवा–दो बड़े वाटर कूलर

फरीदाबाद

(1.) सिलाई केन्द्र–चार स्थानों पर, एक केन्द्र पर थैला बनाने का विशेष प्रशिक्षण

(2.) धर्मार्थ फिजियोथरेपी केन्द्र–शाखा द्वारा एक आधुनिक धर्मार्थ फिजियोथरेपी केन्द्र प्रारम्भ किया गया है।

9. हरियाणा पश्चिम

विकलांग सहायता केन्द्र–1, एम्बुलेंस–1, सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र–9, क्लीनिकल लैब–2, स्थायी जल मंदिर–3, पार्क अंगीकरण–3, वाचनालय–2, डिस्पेन्सरी–3, अन्य –7 : कुल 31

हिसार

1. चिकित्सा वाहन सुविधा

2. विकलांग पुनर्वास केन्द्र : 30 मई, 1999 को स्थापित इस केन्द्र में अभी तक 12944 पंजीयन हुए जिसमें से 7290 विकलांगों को कृत्रिम अंग दिये गए हैं। 2.25 एकड़ जमीन इस केन्द्र के पास है। एक वाहन है। अभी तक कुल 86 शिविर लगाये गए हैं। कुल 11 कर्मचारी यहाँ कार्यरत हैं। 100 से अधिक विकलांगों का पुनर्वास किया गया है। 2000 से अधिक पेंशन प्रमाण पत्र व अन्य सहायता दी जा चुकी हैं। विशाल पोलियो निवारण ऑपरेशन शिविर लगाना इस केन्द्र की विशेषता है। अप्रैल, 2006 से जनवरी, 2007 तक 497 कृत्रिम अंग केन्द्र के माध्यम से दिये गए हैं। 7 से 10 सितम्बर, 2006 तक तकनीशियन दक्षता कार्यशाला का आयोजन इस केन्द्र पर हुआ था, जिसमें 10 केन्द्र के तकनीशियन उपस्थित थे।

विकलांगों के पुनर्वास की दृष्टि से केन्द्र द्वारा 4 कोर्स भी चलाये जा रहे हैं जिनमें इलेक्ट्रिक मोटर वाईडिंग, रेडियो, टी0वी0 रिपेयरिंग, कम्प्यूटर तथा सिलाई–कढ़ाई कोर्स शामिल हैं। 194 विकलांगों को इन कोर्सों में प्रशिक्षण दिया जा चुका है। सम्पर्क केन्द्र– न्यू ऋषिनगर, बस स्टैण्ड के पास, हिसार दूरभाष : 01662–23045

3. सिलाई केन्द्र

उकलाना मण्डी

1. पैथोलॉजी लैब – सन् 1999 से

बरवाला

1. टैगोर पुस्तकालय एवं वाचनालय – 8 समाचार पत्रों, 10 पत्रिकाओं सहित लगभग 1500 पुस्तकों तथा प्रतिदिन लगभग 100 अध्ययनकर्ताओं द्वारा प्रयोग किया जाता है।

2. शांतिकुंज – स्वर्ग आश्रम, बरवाला में पार्क निर्माण एवं स्थायी देखभाल।

आदमपुर

1. डिस्पेन्सरी –विवेकानन्द धर्मार्थ डिस्पैन्सरी सन् 2002 से

हाँसी

1. पैथोलॉजी लैब सन् 1996 से

फतेहाबाद

1. डिस्पेन्सरी सन् 1996 से
2. सिलाई केन्द्र

भड़ाना

1. सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र 2002 से

ऐलनाबाद

1. सिलाई केन्द्र – गत छः वर्ष से
2. शौचालय – गर्ल्स स्कूल, गांधी चौक और बस स्टैण्ड पर
3. वाटरकूलर – नगरपालिका के पास

डबवाली

1. सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र सन् 1995 से

जींद

1. सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र सन् 1986 से
2. सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र सन् 2002 से

सफीदों

1. सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र
2. शहीद भगत सिंह पार्क का निर्माण एवं स्थायी देखभाल

नरवाना

1. विकलांग पुनर्वास सम्पर्क केन्द्र

पिल्लूखेड़ा

1. स्थायी वाटर कूलर

प्रभुवाला

1. स्वर्गाश्रम का स्थायी सम्पर्क केन्द्र

टोहना

1. विकलांग पुनर्वास सम्पर्क केन्द्र
2. पुस्तकालय एवं वाचनालय

सिरसा

1. स्थायी वाटर कूलर
2. डिस्पैन्सरी

मौहब्बतपुर

1. पार्क का निर्माण एवं स्थायी देखभाल
2. स्टेडियम का निर्माण एवं स्थायी देखभाल
3. सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र
4. गाँव में स्थायी स्ट्रीट लाइट व्यवस्था
5. शक्तिधाम का स्थायी रखरखाव
6. गाँव के सभी घरो को एक रंग से पोतना
7. गाँव की सभी सड़कों को पक्का करना तथा रखरखाव

10. दिल्ली दक्षिण

एम्बुलेन्स –1, शववाहन –1, सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र –1 ,पार्क विकास –1, नेत्र आपरेशन –1, डिस्पेन्सरी–5 (3 चल चिकित्सा वाहन सहित), फिजियोथिरेपी केन्द्र –2, साक्षरता कक्षायें –1, बाल संस्कार केन्द्र –6, महिला/युवा संस्कार एवं योग केन्द्र –7, विविध –3 कुल : 29

दिल्ली (दक्षिण) प्रान्त में प्रान्तीय स्तर पर तथा विभिन्न शााखाओं द्वारा संचालित स्थायी प्रकल्पों का विवरण निम्न प्रकार है –

1. कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र – यह केन्द्र ग्रीन पार्क शाखा द्वारा संचालित है और उसके पुनरूत्थान के लिये डी॰ ए॰ वी॰ मॉडल स्कूल यूसूफ सराय नई दिल्ली में उपलब्ध सुविधाऐं बिना किसी भुगतान के आधार पर प्रयोग की जा रही हैं। प्रान्त की सभी शाखाओं के लिये यह विकल्प है कि वे इस केन्द्र में 3 से 9 माह के डिप्लोमा पाठयकमों के लिये निर्धन छात्र/छात्राओं केा भेज सकते है।

2. सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र – यह केन्द्र 5 सिलाई मशीनों से प्रारम्भ किया गया और इसमें सिलाई का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है।

3. एलौपेथिक चिकित्सा वाहन – यह सुविधा ग्रेटर कैलाश –1 शाखा द्वारा 2.79 लाख रूपये के विनियोग से प्रारम्भ की गई है। यह चल वाहन विभिन्न क्षेत्रों में जाकर रोगियों का परीक्षण उपचार तथा औषधि वितरण का कार्य करता है। इसके द्वारा नेत्र–परीक्षण सेवा कार्य भी किया जाता है।

4. होमियोपैथिक क्लीनिक – प्रान्त में ऐसे दो क्लीनिक ग्रैटर कैलाश –1 तथा महारानी बाग शाखाओं द्वारा चलाये जा रहे है।

5. होमियोपैथिक चिकित्सा वाहन – यह सुविधा जनकपुरी सी –2 शाखा द्वारा संचालित की जा रही है।

6. आयुर्वेदिक क्लीनिक – यह सुविधा भी जनकपुरी सी – 2 शाखा द्वारा संचालित की जा रही है।

7. फिजियोथिरेपी सेन्टर – यह केन्द्र लगभग 2 लाख रुपये की लागत से जनकपुरी मुख्य शाखा द्वारा स्थापित किया गया है जिसमें फिजियोथिरेपी की आधुनिक सुविधायें उपलब्ध है। जनकपुरी –बी ब्लाक द्वारा भी फिजियोथिरेपी सेन्टर स्थापित किया गया है।

8. दन्त परीक्षण वाहन – दन्त रोगो का परीक्षण करने तथा उनके सम्बन्ध में सलाह देने के लिये चल वाहन की सुविधा (दिल्ली दक्षिण) द्वारा प्रान्तीय स्तर पर विकसित की गई है। इस सुविधा को विकसित करने में 6 लाख रूपये से अधिक का विनियोग किया गया है।

9. नेत्र परीक्षण क्लीनिक – यह सुविधा जनकपुरी मुख्य शाखा द्वारा परिचालित है।

10. साक्षरता कक्षायें – वसन्तकुंज शाखा द्वारा साक्षरता अभियान के लिये नियमित रूप कक्षा चलायी जा रही है।

11. शव वाहन – यह सुविधा तिलकनगर शाखा द्वारा लगभग 2 लाख रूपये के विनियोग से प्रारम्भ की गई है।

12. स्कूलों में बाल संस्कार योजना – जनकपुरी ए बी सी –2 तथा एम शाखाओं और लाजपत नगर –सी तथा निजामुददीन डब्ल्यू शाखाओं में 6 स्कूलों में नियमित रूप से बाल कल्याण एवं बाल संस्कार योजनाओं का संचालन किया जा रहा है।

13. बाल संस्कार/युवा संस्कार/महिला संस्कार/योग केन्द्र – प्रान्त में विभिन्न शाखाऐं 7 केन्द्रों पर बाल संस्कार/युवा संस्कार/महिला संस्कार/योग केन्द्र से सम्बंधित कार्यक्रमों का नियमित रूप से आयोजन करती है।

14. वरिष्ठ नागरिक कल्याण – जनकपुरी ए, बी, सी–2 तथा एम शाखाओं के साथ ही ग्रेटर कैलाश–1 और ग्रीन पार्क शाखायें नियमित रूप से वरिष्ठ नागरिक सुरक्षा एवं कल्याण से सम्बन्धित कार्यक्रमों का आयोजन करती है।

15. बस्ती अंगीकरण – इस योजना के अन्तर्गत प्रान्त की विभिन्न शाखाओं ने 13 बस्तियों/झुग्गियों को अंगीकृत किया है जिनमें चिकित्सा सुविधायें उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया है।

16. पार्क अंगीकरण – प्रान्त में एक पार्क भी अंगीकृत किया गया है जिसमें परिषद की ओर से बेन्चों का निर्माण कराया गया है तथा कूडेदानों की व्यवस्था कराई गयी है।

17. वनवासी कल्याण आश्रम सहायता केन्द्र – प्रान्त ने दिल्ली के अन्य प्रान्तों के साथ मिलकर असम में वनवासी केन्द्रों में 4 एकल विद्यालयों तथा उमस्वाई परियोजना को लिया है। इसमें दिल्ली (दक्षिण) ने 2.5 लाख रुपये प्रदान करने का लक्ष्य रखा था और अब तक 2.67लाख रूपये अब तक प्रदान किया जा चुका है।

कुल मिलाकर वर्तमान में दिल्ली (दक्षिण) प्रान्त में 28 स्थायी प्रकल्प (उर्पयुक्त में न. 15 तथा 16 को छोडकर) चल रहे हैं। इनके अतिरिक्त विकलांग सहायता/पुनर्वास योजना के अन्तर्गत भी प्रान्त का विशिष्ट योगदान रहा है।

11. दिल्ली उत्तर

विकलांग पुनर्वास फाउण्डेशन–2	कुल : 2

भारत विकास परिषद् विकलांग पुनर्वास फाउण्डेशनः

भारत विकास परिषद्–दिल्ली उत्तर के अन्तर्गत भारत विकास परिषद् विकलांग पुनर्वास फाउण्डेशन पिछले काफी समय से विकलांगों, गरीब एवं असहाय लोगों के कल्याणर्थ सफलतापूर्वक कार्य कर रही है। फाउण्डेशन के तत्वावधान में शालीमार बाग और किशनगंज में दो केन्द्र कार्यरत हैं, जिनकी कार्यप्रगति निम्न प्रकार हैः

1. विकलांग फाउण्डेशन केन्द्र, किशनगंज–इस केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाये है – (अ) विकलांगों को निःशुल्क कृत्रिम हाथ, पैर, पंजे, कैलीपर, ट्राईसिकल, कान की मशीने इत्यादि का वितरण की व्यवस्था, (व) गरीब कन्यायो को सिलाई कढ़ाई, मेंहदी, ब्यूटीशियन और कम्प्यूटर के प्रशिक्षण की व्यवस्था, (स) गरीब एवं असहाय लोगों के लिये नेत्र, दन्त चिकित्सा एवं एक्मूप्रेशर शिविरों का आयोजन (द) आँखों के निःशुल्क आपरेशन की व्यवस्था (य) गरीब पुरुषो एवं सभी महिलाओं की सुविधा के लिये सप्ताह में दो वार निःशुल्क कानूनी सहायता की व्यवस्था (र) वरिष्ठ नागरिको के लिये केन्द्र में बैठने, पुस्तकालय, वाचनालय और समाचार पत्रों व दूरदर्शन की सुविधा (सम्पर्क : बस्ती विकास केन्द्र, चन्द्रशेखर आजाद कालोनी, किशनगंज, दिल्ली दूरभाषः 23691300)

2. विकलांग फाउण्डेशन केन्द्र, शालीमार बाग–इस केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाये हैं (अ) विकलांग एवं निर्धन बच्चों के लिये सिलाई एवं कढाई का प्रशिक्षण – इसमें 6 महीने के डिप्लोमा कोर्स की भी व्यवस्था है। (ब) प्रत्येक शनिवार को कढ़ाई, मेंहदी, क्रोशिया, पैन्टिगं, बुनाई, ब्यूटीशियन एवं गृहोपयोगी कार्यों का प्रशिक्षण (स) समय–समय पर व्यक्तिगत विकास कार्यशाला का आयोजन (सम्पर्कः ए–15 लोकल शॉपिंग सेंटर बी॰ क्यू॰ ब्लॉक, डी॰डी॰ए॰ मार्केट, शालीमार बाग, दिल्ली–85 दूरभाष 27478170

12. पश्चिमी उत्तर प्रदेश

कन्या इण्टर कॉलेज –1, नेत्र परीक्षण–1, वाचनालय–1, डिस्पैन्सरी–9 , जल संरक्षण संचयन –4, एक्यूप्रेशर केन्द्र–2, आदिवासी छात्र शिक्षा–1, कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र–2, मुक्तिधाम–2, पैथोलोजी जाँच–1, सिलाई केन्द्र–1, विद्यालय अंगीकरण–1, जल मन्दिर–2, रक्तदान/रक्त व्यवस्था–1, योग शिक्षा केन्द्र–1, विकलांग शिविर–1, मैडीकल वैन–1, स्वर्गयान–1, जन सुविधा–1, निःशुल्क न्यायिक सेवा–1, अन्य–10 कुल : 46

खुर्ज़ा

1. भारत विकास परिषद् कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खुर्जा – सन 1997 में कक्षा 6व 7 में 16 कन्याओं तथा चार अध्यापिकाओं को लेकर चार कमरों के एक भवन में इस विद्यालय का शुभारम्भ किया गया तब से लेकर आज तक विद्यालय निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। वर्तमान में विद्यालय के पास लगभग 12 हजार वर्ग गज भूमि है जिसके मध्य 25 '20' माप के कमरों का मुख्य भवन तथा 60'25' का एक हॉल है। 220 से अधिक छात्रायें कक्षा 6 से लेकर 12 तक अध्ययनरत है तथा अध्यापिकाओं की संख्या 12 है। कक्षा 12 में साहित्य तथा वाणिज्य वर्ग की शिक्षा प्रदान की जा रही है तथा कम्प्यूटर की शिक्षा सभी के लिये अनिवार्य है। छात्राओं तथा अध्यापिकाओं के आवागमन हेतु विद्यालय का अपना वाहन है। विद्यालय का प्रबन्ध भारत विकास परिषद द्वारा चयनित समिति द्वारा किया जाता है और पूरा विद्यालय स्वयं अर्जित धन के सहारे चल रहा है। विद्यालय को प्रारम्भ करते समय खुर्जा शाखा के लगभग सभी सदस्यों ने वित्तीय सहायता दी थी जो प्रति सदस्य 5,100 रूपये से लेकर 51,000 रूपये तक थी। अब तक इस प्रकल्प पर लगभग 50 लाख रू. खर्च किया जा चुका है।

गाजियाबाद

पश्चिमी उत्तर प्रदेश ग़जियाबाद मुख्य शाखा में राजनगर आर–2/157 में स्थित बाल विकास केन्द्र नामक विद्यालय को शाखा द्वारा अंगीकृत किया हुआ है जिसमें निर्धन व अभावग्रस्त 4 वर्ष से 14 वर्ष आयु को बच्चों को शिक्षा व संस्कार के अन्तर्गन अक्षर ज्ञान से लेकर स्कूली पाठक्रम के ज्ञान की शिक्षा व प्रशिक्षण दिया जाता है।

सेवा

सेवा कार्य के अंर्न्गत एक 'निःशुल्क उपचार केन्द्र' अपरान्ह 3.00 बजे से सायं 6.00 बजे तक नियमित रूप से प्रतिदिन चलाया जा रहा है। यहाँ उपचारक **द्वारा 'एक्यूप्रैशर** चिकित्सा पद्धित' से पोलियो, अधरंग, पक्षाघात/लकवा, जोड़ों में दर्द, माइग्रेन, स्टोन, मधुमेह (शुगर), पेट सम्बन्धी रोगों, ब्लड प्रैशर, दौरा पड़ना, आदि–2 रोगों का सफल उपचार किया जाता है। अब तक सैकड़ों रोगियों का सफल निदान गया है और वे लाभांवित हुए हैं।

साहिबाबाद

1. स्वर्गयान :– साहिबाबाद शाखा द्वारा स्वर्गयान वाहन का संचालन किया जाता है जिसमें मृतक के साथ लगभग 20 लोगों के बैठने की व्यवस्था रहती है तथा इसका न्यूनतम शुल्क लिया जाता है। वाहन की कीमत लगभग 8 लाख रू0 है।

पिलखुआ

1. नेत्र चिकित्सा :– पिलखुआ शाखा द्वारा प्रत्येक सोमवार को नेत्र रोगियों की जांच की जाती है तथा आवश्यक होने पर निःशुल्क आपरेशन आदि भी किये जाते है। प्रति वर्ष लगभग 2000 मरीज लाभान्वित होते है। नेत्र रोगों की साप्ताहिक जांच परिषद के भवन 'ला0 गनपतराय भारत विकास परिषद भवन' में की जाती है।

बडौत

1. रक्त बैंक :– यह प्रकल्प पूरे वर्ष 24 घण्टे चलता रहता है। इसके अन्तर्गत जरूरत मन्द व्यक्तियों को हर समय रक्त उपलब्ध कराया जाता है। इस व्यवस्था को चलाने के लिये वर्ष में दो बार रक्त दान शिविर आयोजित किये जाते है। पिछले दो वर्षों में लगभग 1000 व्यक्ति रक्त प्राप्त करके इस प्रकल्प का प्राप्त कर चुके है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उपर्युक्त स्थायी प्रकल्पों को शामिल करते हुये स्थायी प्रकल्पों का समग्र चित्र निम्न प्रकार है।

शाखा का नाम	प्रकल्प	सेवाकाल	लाभार्थी	अनुमानित लागत (रु)
1. सहारनपुर	1. आयुर्वेदिक उपचार केन्द्र	साप्ताहिक	2400प्रति वर्ष	20000/–
	2. जल संरक्षण के 10प्रोजेक्ट	नियमित	जल संसाधन	25000/–
	3. एक्यूप्रेशर उपचार केन्द्र	दैनिक	5000 प्रति वर्ष	10000/–
2. सहारनपुर ग्रैटर	आदिवासी छात्रों की शिक्षा	प्रतिवर्ष	10 छात्र	50000/–
3. मेन सहारनपुर	आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र	साप्ताहिक	50 प्रति सप्ताह	20000/–
4. शामली	1. नेताजी सुभाष की आदमकद प्रतिमा	स्थायी	नीति प्रसार	30000/–
	2. होम्योपैथिक चिकित्सा केन्द्र	दैनिक	30–35 प्रतिदिन	25000/–
5. शामली समर्पण	1.निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण	दैनिक	60 प्रतिवर्ष	36000/–
	2. निःशुल्क बच्चों को शिक्षा			
	3. निःशुल्क अंग्रेजी स्पीकिंग			
6. बुढाना	1. अन्तिम विश्राम स्थल रखरखाव	स्थायी	–	100000/–
	2. होम्योपैथिक चिकि॰केन्द्र	दैनिक	20–25प्रतिदिन	20000/–
	3. निःशुल्क शुगर जांच केन्द्र	साप्ताहिक	10–15 प्रति सप्ताह	5000/–
7. मेरठ	1. सिलाई कढ़ाई केन्द्र	प्रतिदिन	30 बालिका प्रतिमाह	25000/–
8. मेरठ महानगर	1. प्राथमिक विद्यालय का अंगीकरण	प्रतिदिन	200 छात्र प्रति वर्ष	50000/–

9. मेरठ शास्त्रीनगर	1. नेत्रदान 43 सदस्यों 2. कुष्ठरोग औषधि वितरण का संकल्प	6 लोगों को नेत्र प्रत्यारोपण		अमूल्य
10. मेरठ अभियन्ता	पीने के पानी की 5 टंकियों का रख–रखाव	प्रतिदिन	10000	50000/–
11. बड़ोत	रक्तदान शिविर एवं रक्त व्यवस्था	प्रतिदिन, वर्ष में 3 बार रक्तदान शिविर लगभग यूनिट 600	1000 प्रति वर्ष	20000/–

शाखा का नाम	प्रकल्प	सेवाकाल	लाभार्थी	अनुमानित लागत (रु)
12. सरधना	निःशुल्क टीकाकरण	साप्ताहिक	50 बच्चे	10000/–प्रतिवर्ष
13. मवाना मेन	1. नेताजी सुभाष की आदमकद प्रतिमा 2. योग शिक्षा केन्द्र	स्थायी	नीति–प्रसार	30000/–
14. मवाना विराट	विकलांग शिविर	प्रतिवर्ष5–6	1000 प्रतिवर्ष	500000/–
15. पिलखुवा	1.निःशुल्क नेत्र चिकित्सा केन्द्र	प्रत्येक सोमवार	2000	10000/–
	2. आयुर्वेद चिकित्सा केन्द्र	सप्ताह में दो बार	3000 प्रतिवर्ष	100000/–
16. हापुड़	जल संरक्षण स्थायी	जलस्तर हेतु	8000/–	
17. दादरी	निःशुल्क कम्प्यूटर केन्द्र	प्रतिदिन	100 छात्र	60000/–
18. मुरादनगर	1. अन्तिम विश्राम स्थल रखरखाव	स्थायी	–	200000/–
	2. निःशुल्क चिकित्सा ओ0पी0डी0	साप्ताहिक	50–60 बच्चे	–
19. गाजियाबाद	1. मैडीकल बैन	सप्ताह में दोबार	30000	400000/–
	2. निःशुल्क प्राथमिक शिक्षा	प्रतिदिन	5 बच्चे	50000/– प्रतिवर्ष
	3. निःशुल्क स्वास्थ शिविर	प्रति रविवार		
	4. निःशुल्क एक्यूप्रेशर सेवा	प्रतिदिन		
20. साहिबाबाद	1. अन्तिम यात्र.ा वाहन (स्वर्गयान)	प्रतिदिन	6000 प्रतिवर्ष	8 लाख रु0
	2. वर्षा जल संचयन	स्थायी	–	8000/–
21.साहिबाबाद	होम्योपैथिक डिस्पेन्सरी	प्रतिदिन	10000 रोगी प्रतिवर्ष	100000/–
22.नोएडा	1. गौशाला में योगदान	स्थायी	गौ–सेवा	500000/–
	2. निःशुल्क शिक्षा	प्रतिदिन	5 बच्चे	20000/–
23.बुलन्दशहर	1. होम्योपैथिक चिकित्सा केन्द्र	सप्ताह में 2बार	50–60	15000/–
24.बुलन्दशहर विराट	निःशुल्क न्यायिक सेवा	साप्ताहिक	10–15	–
25.खुरजा	1. भाविप कन्या इण्टर कालेज	प्रतिदिन	230 कन्या प्रतिवर्ष	50 लाख
	2. जन सुविधायें	प्रतिदिन	500 व्यक्तिप्रतिदिन	10000/–
	3. स्थायी प्याऊ	प्रतिदिन	आम रास्त पर	10000/–
	4. वर्षा जल संचयन के 3 प्रोजेक्ट	स्थायी	–	25000/–
26. पल्लवपुरम	1. टेलीपैथी मैडीकल सैन्टर			

13. रूहेलखण्ड

विकलांग सेवा केन्द्र–1, एम्बूलैन्स–2, होम्यो चिकित्सालय डिस्पैन्सरी–4, सिलाई केन्द्र–1, पुस्तकालय–1, पार्क रखरखाव–3, रक्तदान प्रकल्प–1, रक्त बैंक–1, अन्य–2, कुल 16

मुरादाबाद मैन

1. विकलांग सेवा एवं कृत्रिम अंग केन्द्र :– यह केन्द्र भारत विकास परिषद् विकलांग सेवा न्यास द्वारा मुरादाबाद में दिल्ली रोड पर स्थित श्री सांई अस्ताल के कक्ष संख्या10 में फरवरी 2000 से चलाया जा रहा है। इस केन्द्र द्वारा अभी तक 37 शिविरों के माध्यम से 11,330 कृत्रिम अंग वितरित किये जा चुके है। इस केन्द्र द्वारा पोलियो के 154 आपरेशन भी कराये गये है। सम्पर्क दूरभाष 0591–2480719,2480720

2. विवेकानन्द मूर्ति एवं पार्क :– शाखा द्वारा विवेकानन्द पार्क में स्वामी विवेकानन्द की एक विशाल मूर्ति स्थापित की गई है तथा पार्क का नियमित रखरखाव भी किया जाता है।

3. होमियो चिकित्सालय :– यह चिकित्सालय जून 2002 से डा0 रामप्रकाश अग्रवाल स्मारक धर्मार्थ होम्यो चिकित्सालय के नाम से लाजपत नगर में चल रहा है।

मुरादाबाद विवेकानन्द

1. एम्बूलेन्स :– शाखा द्वारा जुलाई 2006 में एक एम्बूलेन्स का लोकार्पण किया गया है।

मुरादाबाद मैत्री

1. होम्योपैथिक डिस्पेन्सरी, झांझनपुर

रामपुर

1. पुण्यार्थ होमियोपैथिक चिकित्सालय :– इस प्रकल्प का प्रारम्भ 14 जनवरी 2000 को हुआ। यह चिकित्सालय रामपुर शाखा के परिषद हाल में एक पूर्ण सुसज्जित दवाखाने सहित स्थापित है। इसमें एक चिकित्सक, एक कम्पाउण्डर तथा एक सहायक है।

रूहेलखण्ड में अन्य स्थायी प्रकल्पों का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार हैः

शाखा	स्थायी प्रकल्प
1. बिलासपुर	1. रक्तदान प्रकल्प
	2. एम्बुलैन्स
2. शाहजहांपुर मैत्री	1. जल संचयन
	2. विवेकानन्द पार्क रखरखाव

3. नूरपुर	1. सिलाई कढाई केन्द्र
4. सम्भल	1. घण्टाघर एवं घण्टाघर चौक का रखरखाव
5. शाहजहांपुर संस्कार	1. रक्त बैंक
6. अमरोहा मैत्री	1. श्मशान भूमि का रखरखाव
7. मण्डी धनौरा	1. आनन्दधाम चिकित्सा केन्द्र
	2. मुंशी प्रेमचन्द्र पुस्तकालय

14. ब्रजप्रदेश

आक्सीजन बैंक–1, स्थायी जल मंदिर–7, मुक्तिधाम–1, क्लीनिकल लैब–1, सिलाई केन्द्र–2, वाचनालय–2, डिस्पेन्सरी होम्यो चिकित्सालय–3, स्कूल अंगीकरण–4, आक्सीजन गैससेवा–2, महिला लोक अदालत–1, विवेकानन्द एवं भारत माता मूर्ति–2, मुक्तिधाम मंदिर–1, अन्य–7 कुल –34

आगरा संस्कार

1. स्वामी विवेकानन्द की मूर्ति : यह मूर्ति आगरा के व्यस्ततम चौराहा सूरसदन, महात्मागांधी रोड पर प्रतिष्ठित की गई है। (लागत 2 लाख रु०)

2. होमियोपैथिक चिकित्सा केन्द्र : यह केन्द्र सरस्वती शिशु मंदिर, कमला नगर में चलाया जा रहा है और वर्ष में लगभग 1,500 मरीज स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करते है।

3. यात्री प्रतीक्षालय : वाटर वर्क्स के चौराहे पर बसों के लिये प्रतीक्षारत यात्रियों की सुविधा के लिये यात्री प्रतीक्षालय बनाया गया है।

4. रेलवे समय सारणी : ईदगाह बस स्टैण्ड पर इलेक्ट्रिक ग्लो साइन बोर्ड के रूप में रेलवे समय सारणी पटल लगाया गया है।

5. **वाटर कूलर**–मोक्षधाम आगरा पर (लागत 50 हजार रु०)

आगरा विक्रमादित्य

1. भारत माता की मूर्ति की स्थापना एवं रख रखाव (लागत 5 लाख रु०)
(दीवानी न्यायालय के पास)

2. वहुमुखी शिक्षा केन्द्र–कारबान गली, लोहामण्डी

आगरा सामर्थ्य

सरस्वती विद्या मंदिर का संरक्षण

अलीगढ शिवम्

1. ग्राम नगला पदम का अंगीकरण

2. महिला लोक अदालत –साप्ताहिक, शोभांचल, मानसरोवर कालोनी, अलीगढ़

3. जल प्याऊ–दीवानी कचहरी, अलीगढ़

अलीगढ प्रतिज्ञा

1. बस स्टैण्ड पर स्थायी जलशाला की स्थापना एवं रखरखाव

फिरोजाबाद मुख्य

1. प्राचीन एवं ऐतिहासिक भारती भवन पुस्तकालय का संचालन एवं रख–रखावः इस पुस्तकालय में सामाजिक एवं राजनैतिक साहित्य की आठ हजार अमूल्य पुस्तकें पाठकों के लिये उपलब्ध हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का हस्तलिखित पत्र यहाँ की प्रमुख धरोहर है। इसके अतिरिक्त वर्तमान में 15 समाचार पत्र प्रतिदिन एवं 25 पत्रिकायें पाक्षिक एवं मासिक अनवरत पाठकों को उपलब्ध रहती हैं।

2. ऑक्सीजन गैस सेवा : 8 आक्सीजन गैस सिलैण्डर की सुविधा

3. जलशालायें : 2 स्थायी वाटर कूलर एवं 5 मानव चलित जलशालायें

4. महिला स्वावलम्बन केन्द्र–सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र

फिरोजाबाद संस्कार

1. सरस्वती बालिका विद्या मंदिर का संरक्षण

अलीगढ मुख्य

1. स्थायी शीतल जल मंदिर–श्री वार्ष्णेय मन्दिर प्रांगण में

डिबाई

1. निःशुल्क बिस्तर व्यवस्था, जिला परिषद चिकित्सालय, डिबाई

2. पुस्तकालय रखरखाव, जानकी देवी नौरंगी लाल सरस्वती बालिका विद्या मंदिर,

3. स्थायी जल सेवा, कादरी बाग, रेलवे रोड, डिबाई

4. स्कूल की स्थापना के लिये भारत विकास परिषद शिक्षा मित्र ट्रस्ट की स्थापना

हाथरस मुख्य

1. विकलांग परामर्श सहायता केन्द्र

वृन्दावन

1. संदीपनी मुनि स्कूल में छात्रों को दोपहर भोज

शिकोहाबाद

1. स्टेशन रोड पर स्थायी प्याऊ

आगरा नवोदय

1. वाटर वर्क्स आगरा पर प्रतीक्षालय एवं समय सरणी

अलीगढ़ विवेकानन्द

1. भारत विकास परिषद् धर्मार्थ होम्यो चिकित्यालय – यह केन्द्र 10 जुलाई 2007 को स्थापित किया गया। इसमें होम्यो चिकित्सा एवं दवा निःशुल्क प्रतिदिन दी जा रही है।

2. धर्मार्थ होम्यो चिकित्सालय लैव – जैन मंदिर, हरदुआगंज

3. भारत विकास परिषद् पैथोलोजी लैब – यह रैक्स डायग्नोस्टिक क्लीनिक के सहयोग से रामघाट रोड, अलीगढ़ में चलायी जा रही है।

अलीगढ़ सुन्दरम्

1. सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र–यह केन्द्र निकटवर्त्ती ग्रामीण क्षेत्र कोछोड़ गाँव में पैरागन पब्लिक स्कूल के परिसर में जुलाई 2006 से चलाया जा रहा है। इसमें वर्तमान में 20 सिलाई मशीनों की व्यवस्था है और 6 महीने के प्रशिक्षण के पश्चात् परिषद् द्वारा प्रशिक्षणर्थियों को प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाता है। इस केन्द्र में एक समूह में 80 प्रतिक्षणर्थियों को प्रशिक्षण देने की व्यवस्था है।

कासगंज

1. मुक्तिधाम (विश्राम स्थल) : कासगंज शाखा द्वारा कछला गंगाधार पर नवनिर्मित मुक्तिधाम का लोकार्पण माननीय कल्याण सिंह जी (पूर्व मुख्यमंत्री उ॰प्र॰) द्वारा 7 अप्रैल 2008 को किया गया। मुक्तिधाम के निर्माण में 14 लाख रुपये की धनराशि व्यय की गई है। इसमें एक विशाल हॉल, एक कमरा, पार्क, पानी के लिए मोटर, टैंक 2000 लीटर क्षमता, हैण्डपम्प, इनवर्टर, लाईट एवं जनरेटर सहित सभी सुविधायें उपलब्ध है। मुक्तिधाम की उचित देखभाल के लिए एक माली एवं दो व्यक्ति स्थायी रुप से रहते है, जिन पर मासिक व्यय लगभग सात हजार रू० है।

फिरोजाबाद प्रधान

1. मरीजों के लिये आक्सीजन सिलेण्डर व प्याऊ

फिरोजाबाद समर्पण

1. स्कूल अंगीकरण–जय दुर्गे शिक्षण संस्थान, डबरई गाँव

2. खानपुर वाली देवी मन्दिर का रख रखाव

15. बुन्देलखण्ड

स्कूल–1, गउशाला–1, मुक्तिधाम–1, अन्य–2, कुल–5

ललितपुर

1. जूनियर हाई स्कूल

उरई

1. गऊशाला

झांसी

1. मुक्तिधाम प्रकल्प
2. जिला चिकित्सालय में फल वितरण
3. गर्मियों में 5 प्याऊ व्यवस्था

16. ब्रह्मावर्त

विकलांग पुनर्वास केन्द्र–1, बाल संस्कार केन्द्र–5, मुक्ति धाम–1, सिलाई केन्द्र–2, स्थायी प्याऊ–3, विद्यालय–1, एम्बूलैन्स सेवा–2, योग शिविर–2, स्वास्थ्य शिविर–2, पार्क रखरखाव–1, सान्त्वना स्थल–1, सान्त्वना कुटीर–1, पुस्तकालय–1, भोजनालय–1, मोबाईल चिकित्सा सेवा–1 अन्य–4 कुल : 29

प्रान्तीय प्रकल्प

1. बाल संस्कार केन्द्र – यह केन्द्र साकेत नगर, कानपुर में संचालित किया जा रहा है, जहाँ मलिन बस्तियों के बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षा एवं संस्कार प्रधान कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। पाठ्य पुस्तकें, लेखन सामग्री, गणवेश, पादुकायें इत्यादि भी उपलब्ध करायी जाती हैं। इसके संचालन की व्यवस्था परिषद् की सक्रिय महिलायें करती हैं।

2. विकलांग पुनर्वास केन्द्र – प्रान्त द्वारा दामोदर नगर, कानपुर में 30 विस्तरों वाला विकलांग पुनर्वास केन्द्र का निर्माण किया गया है। केन्द्र में विकलांगों को दस्तकारी का प्रशिक्षण दिया जाता है एवं उनके पुनर्वास की व्यवस्था की जाती है।

3. बाल संस्कार केन्द्र – यह केन्द्र किदवई नगर, कानपुर में संचालित हो रहा है जहॉ मलिन बस्तियों के बच्चों के लिये निःशुल्क शिक्षा एवं संस्कार प्रधान कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

शाखा स्तरीय प्रकल्प

रामकृष्ण शाखा, कानपुर

1. मुक्तिधाम – गंगानदी के किनारे भैरव घाट पर भारत विकास परिषद् की रामकृष्ण शाखा द्वारा जीर्णोद्वार कर फायर बिक्र युक्त शवदाह स्थल, शेड, शव विश्राम तथा स्नान स्थल का निर्माण, नलकूल द्वारा पानी की व्यवस्था, अमृत वचन और सौन्दर्यीकरण का कार्य किया गया है एवं स्थायी रूप से रख–रखाव की व्यवस्था की जा रही है। इसी स्थल पर स्थायी पौशाला भी चल रही है।

2. एम्बुलेंस सेवा – आकस्मिक एम्बुलेन्स सेवा 24 घण्टे उपलब्ध हैं। ड्राईवर को मोबाईल फोन भी उपलब्ध कराया गया है। यह सेवा बिना लाभ–हानि के आधार पर जनसेवा कर रही है।

3. प्याऊ – गंगातट पर भैरवघाट कानपुर में शाखा द्वारा स्थायी प्याऊ की व्यवस्था की गयी है, जिसके द्वारा निरन्तर शीतल जल की सेवा उपलब्ध है।

4. सिलाई केन्द्र – शाखा द्वारा संचालित सिलाई केन्द्र में विधवा एवं असक्त व गरीब महिलाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

5. विद्यालय – शाखा द्वारा डॉ0 कुलकान्त तिवारी विद्यालय सरगौली में विद्यालय

को गोद लेकर उसका संचालन किया जा रहा है । गरीब छात्रों की पढ़ाई की निःशुल्क व्यवस्था है।

6. योगशिविर – शाखा द्वारा योग प्रशिक्षक के सहयोग से नियमित निःशुल्क योग शिविर का संचालन किया जा रहा है।

7. मोबाइल चिकित्सा सेवा – शाखा द्वारा मोबाइल वैन से ग्रामीण क्षेत्र में चिकित्सा शिविर आयोजित किये जाते हैं।

8. रेन हार्वेस्टिंग सिस्टम – शाखा द्वारा गीतानगर में रेन हार्वेस्टिंग सिस्टम चलाया जा रहा है।

सुभाष शाखा कानपुर

1. बाल संस्कार केन्द्र – यह केन्द्र किदवईनगर, कानपुर में संचालित किया जा रहा है, जहां गरीब एवं मलिन बच्चों को संस्कारित करते हुये निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है।

पांचजन्य शाखा, कानपुर

1. स्वास्थ्य शिविर – मानसरोवर मैडिकल सेन्टर, वर्ग–2 कानपुर में मधुमेह व रक्तचाप का साप्ताहिक निःशुल्क परीक्षण किया जाता है।

औरैया शाखा

1. शहीद पार्क – शाखा द्वारा शहीद पार्क औरैया, का जीर्णोद्वार व सड़कों का निर्माण कराया गया। पार्क में फूलदार और छायादार वृक्षों को लगाया गया है। पार्क में फब्बारा लगाया जाना भी प्रस्तावित है। शहीदों की स्मृति में शहीद स्तम्भ व ज्योति का निर्माण भी कराया जा रहा है।

2. होम्यो चिकित्सालय

3. साप्ताहिक ग्रामीण चिकित्सा शिविर

कन्नौज शाखा

1. सिलाई केन्द्र – इस केन्द्र में महिलाओं को निःशुल्क सिलाई एवं दस्तकारी का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

2. बाल संस्कार केन्द्र

3. विधिक साक्षरता शिविर – जनपद न्यायालय के सहयोग से शिविर

देवेन्द्रमणि शाखा, बकेबर

1. योग शिविर – शाखा द्वारा नियमित रूप से जनता महाविद्यालय के प्रांगण में योग शिविर का आयोजन किया जाता है।

इटावा मुख्य शाखा

1. सान्त्वना स्थल – श्मशान स्थल पर यमुना के घाट पर शाखा द्वारा पीने के पाने के लिये नल व सान्त्वना स्थल का निर्माण कराया गया है।

2. सान्त्वना कुटीर – स्थानीय पोस्टमार्टम हाउस पर फाटक पर लोगों के बैठने के लिये सान्त्वना कुटीर का निर्माण कराया गया है।

3. पुस्तकालय एवं वाचनालय – शाखा द्वारा शास्त्री चौराहा, इटावा में पुस्तकालय एवं वाचनालय की स्थापना की गई है।

4. जल सेवा – शाखा द्वारा इटावा रेलवे स्टेशन पर नियमित जल सेवा की व्यवस्था की गई है।

इटावा तुलसी

1. जल सेवा – जिला न्यायालय पर नियमित जल सेवा की व्यवस्था की गई है।

उन्नाव

1. भोजनालय – इस भोजनालय में पांच रूपये में भरपेट भोजन प्रदान किया जाता है। प्रत्येक मंगलवार को हलुआ मुफ्त दिया जाता है।

2. बाल संस्कार केन्द्र – इस केन्द्र में निर्धन छात्रों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है।

जसवन्तनगर (इटावा)

1. एम्बूलेंस सेवा – यह सेवा बिना लाभ–हानि के संचालित की जा रही है।

17. अवध गोरक्ष प्रदेश

विकलांग सहायता केन्द्र –1, स्थायी जल मंदिर–2, वाचनालय–1, होम्योपैथिक सामान्य चिकित्सालय–5, मुक्तिधाम–1, डिस्पेन्सरी–1, स्कूल अंगीकरण–1 : अन्य–2, कुल 14

प्रान्तीय प्रकल्प

1. श्री हरि होम्योपैथिक चिकित्सालय–इसकी स्थापना श्री हरि प्रवचन हॉल में 19 मई 2007 को की गयी है।

लखनऊ की सभी शाखाओं के स्थायी प्रकल्प

''साँई शरण धर्मार्थ **होम्योपैथिक चिकित्सालय''** का उद्घाटन 24 मार्च 2007 को हुआ है। यह चिकित्सालय भारत विकास परिषद्, लखनऊ एवं होम्योपैथिक रिसर्च फाउण्डेशन द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया जा रहा है।

शाखा स्तरीय प्रकल्प

लखनऊ पूर्वी

1. ग्राम अंगीकरण – अगस्त 2001 में ग्राम छोटा भरवारा और उससे सटे हुये गांव गड़रिया पुरवा तथा जसपाल खेड़ा का अंगीकरण एवं एक ग्रामीण शाखा का गठन किया गया। वहां एक स्कूल खोला गया है, जिसका नाम विवेकानन्द विद्यालय रखा गया है। ग्राम छोटा भरवारा में एक वाचनालय एवं पुस्तकालय की स्थापना की गई है, जिसमें 3 दैनिक समाचार पत्र तथा 6 मासिक/साप्ताहिक पत्रिकायें आती हैं। विवेकानन्द विद्यालय में एक इण्डिया मार्क हैण्ड पम्प लगवाया गया है। अंगीकृत गांवों में स्वरोजगार की दृष्टि से अगरबत्ती, हवन सामग्री, मोमबत्ती, धूपबत्ती, कागज के लिफाफे बनाने आदि के प्रशिक्षण की व्यवस्था भी की गई है।

2. सेवा ट्रस्ट – मार्च 2001 में एक सेवा ट्रस्ट का गठन किया गया। इसका मुख्य उददेश्य विकलांगों की डाक्टरी जांच करना व उपकरण देना, कृत्रिम अंग लगवाना और उनके पुनर्वास में सहायता करना है। अब तक यह शाखा लगभग 50 लाख रुपये के कृत्रिम अंग, ट्राईसाईकिल, व्हील चेयर, बैसाखी इत्यादि वितरित करा चुकी है। इस शाखा ने विकलांगों के सहायतार्थ नगर से बाहर चित्रकूट, सण्डीला, अयोध्या, शांतिकुंज हरिद्वार तथा ज्वाला पुर हरिद्वार में भी शिविर आयोजित किये हैं।

लखनऊ विवेकानन्द

1. निःशुल्क होमियोपैथिक चिकित्सा केन्द्र

रायबरेली

1.स्थायी प्याऊ

2. कमला कृष्ण हसानी धर्मार्थ चिकित्सालय, सुलतानपुर रोड

बहराइच

1. स्थायी प्याऊ

2. दाह संस्कार स्थल

राजाजी पुरम, लखनऊ

1. निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सालय – इसकी स्थापना अगस्त 2001 में लक्ष्मणपुरी, राजाजीपुरम में हुई थी, जिसे अप्रैल 2003 में डी–128 राजाजीपुरम् में स्थानान्तरित कर दिया गया। चिकित्सालय में 15 से 20 मरीज नित्य प्रति निःशुल्क चिकित्सा का लाभ उठा रहे हैं। इसी चिकित्सालय में एक्यूप्रेशर पद्धति द्वारा भी उपचार किया जा रहा है, जिसमें नित्य प्रति 15 से 20 मरीज लाभ उठाते हैं।

2. वरिष्ठ नागरिक आमोद प्रमोद केन्द्र – इस केन्द्र की स्थापना मार्च 2005 में बी–ब्लाक, मार्केट राजाजीपुरम में की गई। केन्द्र में लगभग 1000 धार्मिक, आध्यात्मिक समाज विज्ञान की पुस्तकें हैं, एक दैनिक समाचार पत्र भी आता है। केन्द्र प्रति दिन सांयकाल में खुलता है।

3. विद्यालय अंगीकरण – अगस्त 2004 में मलिहाबाद स्थित विद्यालय–एक्सीलेण्ट माण्टेसरी स्कूल को गोद लिया गया है।

4. विधिक सहायता प्रकोष्ठ – जनवरी 2001 से यह प्रकोष्ठ चल रहा है। जहां श्री देवनन्दन सिंह एडवोकेट द्वारा निर्धन व्यक्तियों को सेवा/दीवानी/माल मामलों में निःशुल्क विधिक सलाह/सहायता प्रदान की जाती है। सप्ताह में एक या दो व्यक्ति इस प्रकार की सहायता प्राप्त कर लाभ उठाते हैं।

इन्दिरानगर, लखनऊ

1. स्वास्थ्य सेवा केन्द्र – शाखा ने 15 अगस्त 2006 को इन्दिरानगर में स्थित एक मलिन बस्ती चॉदन गॉव में एक निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा केन्द्र प्रारम्भ किया है। इस केन्द्र को शाखा के सदस्य सेवा निवृत्त चिकित्सा अधिकारी द्वारा सप्ताह में दो बार संचालित करने की व्यवस्था की गई है।

---

18. काशी प्रदेश

1. विवेकानन्द की विशाल प्रतिमा

19. बिहार दक्षिण

विकलांग सहायता केन्द्र–1, एम्बुलेन्स–2 : कुल 3

पटना

बिहार दक्षिण प्रान्त का महत्वपूर्ण स्थायी प्रकल्प विकलांग पुनर्वास केन्द्र है। यह केन्द्र वर्ष 1999–2000 से कार्य कर रहा है। जनवरी 2007 तक बिहार और झारखण्ड में 203 शिविरों के माध्यम से 7546 कृत्रिम अंगों को प्रदान किया गया है। भारत विकास विकलांग न्यास द्वारा 7 लाख रुपये की लागत से 5800 वर्ग फीट का एक प्लाट पटना–गया राष्ट्रीय राज मार्ग पर गांव पठारी (पटना सिटी) में क्रय किया गया है जिस पर भारत विकास विकलांग पुनर्वास केन्द्र तथा संजय आनन्द विकलांग हॉस्पीटिल का निर्माण किया जा रहा है। इस निर्माण कार्य का शिलान्यास दिसम्बर 2003 में बिहार में राज्यपाल महामहिम न्यायमूर्ति एम0रामा जॉयस के करकमलों से हो चुका है। इस प्रकल्प पर स्थायी लागत लगभग 70 लाख रूपये तथा वार्षिक व्यय 30 लाख रूपये अनुमानित किया गया है। इस अस्पताल के निर्माण में न्यूयार्क के आनन्द फाउण्डेशन के अध्यक्ष श्री सुनील आनन्द जी का विशिष्ट योगदान चल रहा है। पता : 11 रेखा मेन्सन, कंकडबाग पटना–20 दूरभाष : 0612–2360802

पटना सिटी

1. एम्बुलेन्स सेवा

भागलपुर

1. एम्बुलेन्स सेवा

20. झारखण्ड

चिकित्सा केन्द्र / डिस्पेन्सरी –3 : कुल 3

धनबाद उत्तरी

1. निःशुल्क चिकित्सा केन्द्र – यह केन्द्र अप्रैल सन् 1998 से नियमित रूप से चल रहा है। वर्ष में लगभग 2000 रोगियों को निःशुल्क चिकित्सा एवं औषधि की सुविधा मिल रही है। पता : हरीपाड़ा, हीरापुर, धनबाद, फोन 0326–2200056

झरिया

1. निःशुल्क औषधालय – यह औषधालय नवम्बर सन् 2001 से नियमित रूप से चल रहा है एवं इसमें निःशुल्क सलाह दी जाती है। वर्ष में औसतन लगभग 3000 रोगियों का परीक्षण किया जाता है। पता : लाल बाजार, झरिया, फोन – 0326 – 2464181

1. निःशुल्क चिकित्सा केन्द्र

चन्द्रपुरा शाखा

21. WEST BENGAL

एम्बुलेन्स –1, सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र–1, नेत्र परीक्षण/ऑपरेशन–3, मुक्तिधाम–1, डिस्पेन्सरी–2, स्कूल अंगीकरण–1, दन्त क्लीनिक–1, अन्य–2 अन्नपूर्णा कोष–1 कुल 13

STATE LEVEL

Bharat Vikas Parishad Charitable Trust is running Bi-weekly permanent Eye Testing Centre at Sodepur, District 24 PGS(N) and Homeopathic Dispensary. Moreover, Financial help of Rs. 2100/- every month is paid to Nibaran Roy Primay School at Tarakishwar apart from the books when new session starts in April every year.

BRANCH LEVEL

Kolkata

1. & 2 Eye Testing Centres - This branch is running permanent weekly Eye Testing & Spects Distribution Camp at Vivekanand Road and at Sodepur, Kolkata.

Kolkata North East

1. Homeopathic Dispensary - This branch is running a weekly Homeopathic Dispensary and patients are provided treatment & medicines free of cost.

Gobardanga

1. Sewing and Computer Training Centre - This branch is running sewing centre for the ladies and also Computer Training Centre for the Students.

Khanyan

1. Ambulance - One Ambulance has been given for medical treatment of the villagers in Khanyan, **Hooghly District.**

Ilsoba

1. Mukti Dham Assistance - Cremation charges are paid by ILSOBA branch to the deceased's kins who are unable to meet the same. A permanent fund has been created by the branch for the purpose.

Raniganj

1. Distrubution of Ration to Destitute Widos

2. Adoption of a School ''निवेदिता पल्ली प्राथमिक विद्यालय'-Providing afternoon tiffins, books, pencils, dresses, etc.

3. Weekly Dental Clinic.

4. One free bed at Maswari Relief Society, Raniganj .

5. Educational help to 30 students on regular basis.

22. ORISSA

रक्त दान मिशन–1, पार्क–3, सिलाई केन्द्र–2, भारत विकास भवन–1, पुस्तकालय–3, साक्षरता केन्द्र–2, प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र–1, नैचुरोपैथी केन्द्र–1, अन्तिम यात्रा वाहन–1, अन्य–3 कुल–18

Prant Level

1. Blood Grouping & Blood Donors Mission : This project was launched on 3-7-2000 in Bhubhneswar City and in due course it spread over to entire state of Orissa. The object of this mission is to help accident victims by providing identity cards with necessary identification facts. In this project, blood grouping test is done on the spot and personal informations of the beneficiary with name, age, address, telephone no. etc., alongwith a stamp sized photograph and Rs. 15 are collected and thereafter a laminated companion card is issued. This card is of immense help at the time of emergency, because the identity can be known, the fact can be communicated to his/her house through the address / telephone numbers and blood can be arranged in advance by knowing blood group from the card . Till March 2007 about 43000 such cards have been issued to the people of Bhubaneswar (Contact person : Sri Pratp Keshari Naik, N-4/30 IRC Village, Bhubaneswar, Phone (0674-2550264).

2. Bhart Vikas Udyan : It is an avenue graden approved by Bhubaneswar City Corporation. In fact this is the road side land attoted to an institution (Bhart Vikas Parishad) for the first time.

Branch Level

Bhubaneswar Main Branch

The branch runs a number of permanent projects in an adopted village of schedule cast families only. These projects are run by members of Ramchandrapur Village on daily basis and supervised by main branch members on veekly basis. These proejcts are :

1. Rural Child Literacy Centre
2. Rural Library
3. Rural First Aid Centre
4. Rural Herbal Garden

5. Rural Recreation Centre

6. Rural Adult Literacy Centre

It addition to these six projects, two other projects are also being run by the branch .

7. Rural Library - This library is being run in another village named 'Mahanga'.

8. Prison Library - The special Bhubaneswer Prison, authorities have alloted a hall, which has been furnished and stocked with religious and inspiring books with hope to improve the criminal attitude of prisoners. Run by staff, the BVP members supervise it on weekly basis.

Khandagiri Branch

1. Naturopathy Centre : A 'Naturopathy Centre' named 'SEBA' Located closed to Khandagiri hill was inaugurated on 11th June 2006. SEBA is providing Yoga, Natural & Biochemic Treatments, Extracts from herbal cultures, Acupressure and other Bhartiya Traditional Treatments.

Sambalpur Branch

1. Antim Yatra Van

2. Hospital bed for poor with free medicines

3. Sewing Teaching Centre for Women needing daily / weekly supervision.

Titalagarh Branch

1. Sewing Centre : This centre is being run for Women and Girls needing daily / Weekly supervisiojn.

Rourkela Branch

1. **Pediatric Park** - The branch has converted a patch of wasteland with plantation for playing the children of the locality needing supervision twice a week. The branch is trying to secure the land in its name.

Berhampur Branch

1. Bharat Vikas Bhawan

2. Jaraniwas Project : The branch runs a Jaraniwas project which cares for the old and poorly inmates of a home. The members visit it 15 Kms. away with doctors, medicine and food packets each week. They Check health of all immaties and distribute food packets.

23. ASSAM

विकलांग सहायता केन्द्र–1, अस्पताल–1, एम्बुलेन्स–4, सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र–1, स्थायी जल मंदिर–3 शौक्षिक प्रशिक्षण केन्द्र–3, स्वास्थ केन्द्र / डिस्पैन्सरी–4, सिलाई / बुनाई सेवा केन्द्र–2, मन्दिर रखरखाव–1, पार्क–1, : कुल 21

1. Hospital : This project has been taken by Bonagaigaon Branch and a plot of land of 15 Bighas (2, 16,000 sq. feet) has been acquired for this purpose, alongwith the formation of 'Kanchi Shir Sankara Medical Centre Foundation. Bongaigaon Refinary & Petro Chemical Ltd. has donated Rs. 5 lakh for construction of the hospital.

2. Viklanga Sahayata Kendra Guwahati - This kendra is playing a significant role in north-eastern States. Established in 1995, it has provided artificial limbs to 3790 persons upto January 2007. (Contact Point-4, Sati Radhika Shanti Road,), Uzan Bazar, Guwahati 781001, Phone 0361-2510327.

3. Ambulance	1. Tezpur Branch	2. Nagaon Branch
	3. Morigaon Branch	4. Karimganj Branch
4. **Drinking Water**	1. Sivasagar Branch	2. Tezpur Branch
	3. Guwahati Branch	

In addition to above, the following permanent projects are also being run in the state

A. Educational	**Branch**
1. Computer Training Centre, Guwahati	Madhya Guwahati
2. Madan Kamdev School, Baihati Chariali	Guwahati
3. Wire Mesh Training, Silchar	Silchar
4. Tailoring Training Center, Nathupur	Karimganj
B. Health Care	
1. Health Care Center, Chapaguri	Bongaigaon
2. Vision Centre, Chapaguri	Bongaigaon
3. Oxygen Cylindir Service, Dhubri	Dhubri
4. Homeopathy Dispensary, Odalbakra	South Guwahati
C. Rehabilitation	
1. Tailoring Service Centre, Nathupur	Karimganj
2. Weaving Service Centre, Baihata Chariali	Guwahati
D. Environmental	
1. Maintenance of Shiva Temple, Jagiroad	Jagiroad

2. Maintenance of Park, Tarapur Silchar

E. Social

1. Supply of purified drinkng water at MMC Hospital, Guwahati

24. राजस्थान उत्तर

सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र–2, स्थायी जल मंदिर–2, डिस्पैन्सरी–2, अन्य–2 : कुल 8

नगर इकाई, बीकानेर

1. पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण–इस उद्देश्य से शाखा ने पी0बी0एम0 अस्पताल के शिशु चिकित्सालय के सामने ननिर्मित पार्क का अंगीकरण करके उसमें वृक्षारोपण तथा रखरखाव का पूरा उत्तरदायित्व लिया है। पर्यावरण की चेतना जाग्रत करने की दृष्टि से शरद कालीन रंगीन पुष्पों के बीजों के वितरण तथा पौधे लगाने का कार्य भी किया जाता है। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से पौध एवं बीजों के बारे में तकनीकी जानकारी भी निःशुल्क प्रदान की जाती है।

2. नशा मुक्ति सेवा केन्द्र – केन्द्रीय कारावास में नशा मुक्ति सेवा केन्द्र स्थापित किया गया है।

मुख्य शाखा, बीकानेर

1. टीकाकरण – टीकाकरण केन्द्र बनाया गया है, जिस पर प्रति सप्ताह विभिन्न रोगों के टीके लगाये जाते हैं।

डूंगरगढ़

1. सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र – शाखा द्वारा 2 सिलाई केन्द्र स्थापित किये गये हैं।

गंगानगर

1. होमियोपैथिक डिस्पेन्सरी

सूरतगढ़

1. स्थायी जल मंदिर

सुजानगढ़

1. स्थायी जल मंदिर

25. राजस्थान पूर्व

एम्बुलैन्स–1, औषधि विक्रय केन्द्र–2, स्थायी जल मंदिर–3, मुक्तिधाम–2, स्कूल अंगीकरण–3, अन्य–2 : कुल 13

भिवाड़ी

1. विद्यालय अंगीकरण – हरचन्द्रपुरा विद्यालय को अंगीकृत किया गया है। इसमें समय–समय पर छात्र–छात्राओं को पुस्तकें, गणवेश, जर्सी इत्यादि उपलब्ध कराये जाते हैं। सत्र 2003–2004 में शाखा ने विद्यालय में चार कमरों का निर्माण कराया है।

2. स्थायी वाटर कूलर – व्यय 35,000/–

गंगापुर सिटी

1. चिकित्सालय में शिशु बार्ड का अंगीकरण–राजकीय सामान्य चिकित्सालय के शिशु बार्ड को पिछले तीन वर्ष से गोद ले रखा है, जिसमें सफाई, चादरे व अन्य सभी रख–रखाव की व्यवस्था परिषद् द्वारा की जाती है।

मालपुरा

1. **यात्री प्रतीक्षालय** – यात्रियों को गर्मी, सर्दी और वर्षा से बचाव के लिये 25,000 रूपये की लागत से यात्री प्रतीक्षालय का निर्माण कराया गया है।

सवाई माधोपुर

1. चल चिकित्सा वाहन – सांसद कोटे से आवंटित चल चिकित्सा वाहन का संचालन परिषद् द्वारा किया जा रहा है।

अलवर

1. मेडिकल बैंक की स्थापना

दौसा

1. स्थायी प्याऊ–स्थायी शीतल प्याऊ का संचालन पिछले 12 वर्षो से किया जा रहा है।

2. मुक्तिधाम विकास–सत्र 2003–04 में शाखा द्वारा स्थानीय मुक्तिधाम के विकास का संकल्प लिया गया और प्रथम चरण में भूमि का समतलीकरण करके पौधे लगाये गये हैं।

बहरोड

1. मेडिसन बैंक–राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुर्घटनाग्रस्त मरीज़ों की सहायतार्थ एक निःशुल्क मेडिसन बैंक खोला गया है।

2. जलमन्दिर–कस्बे में विभिन्न स्थानों पर 7 स्थायी जलमंदिर संचालित किये जा रहे हैं।

बांदीकुई

1. विद्यालय अंगीकरण – विवेकानन्द मूक बधिर विद्यालय को अंगीकृत किया गया है।

भारतपुर लौहागढ़

1. विद्यालय अंगीकरण – राज0वी0 नारायण गेट विद्यालय को अंगीकृत किया गया है।

हिण्डौन सिटी

1. मोक्षधाम अंगीकरण

26. राजस्थान पश्चिम

एम्बुलैंस–2, औषधि विक्रय केन्द्र–1, डायग्नॉस्टिक केन्द्र–1, स्थायी जल मंदिर–4, फिजियोथेरेपी केन्द्र–1, एक्सरे मशीन–1, मोबाईल चिकित्सा वाहन–2, विकलांग सहायता केन्द्र–1, डिस्पैन्सरी–3, स्कूल–1, पार्क–1, अन्य–2, कुल 20

जोधपुर

भारत विकास परिषद् डायग्नॉस्टिक एवं रेडियोलॉजी केन्द्र – यह केन्द्र 17 दिसम्बर 2000 से कार्यरत है। इसमें 20 लाख रुपये के उपकरण लगाये गये हैं। इस केन्द्र पर सोनोग्राफी, एक्सरे, ई0सी0जी0, ई0ई0जी0, रक्त, मल–मूत्र इत्यादि की जांच को सुविधायें बाजार से आधे मूल्य पर उपलब्ध हैं। यह केन्द्र गीता भवन परिसर में 2100 वर्ग फीट क्षेत्रफल में स्थित हैं। केन्द्र में दो डॉक्टर, दो लैब कर्मचारी, दो एक्स–रे टैक्नीशियन, दो रिशेप्सनिस्ट, दो सफाई कर्मचारी तथा एक लेखाकार कार्यरत हैं। केन्द्र प्रातः 8 बजे से सांय 6 बजे तक खुला रहता है तथा वर्ष में लगभग 36,000 व्यक्ति लाभ उठाते हैं। केन्द्र का मासिक व्यय लगभग 50,000 रुपये है। अभी हाल ही में केन्द्र में दन्त विभाग भी प्रारम्भ किया गया है। पता : गीता भवन परिसर उम्मेद हॉस्पीटल रोड, जोधपुर दूरभाष 0291–2633872,

2. चिकित्सा सामग्री सेवा पटल – शाखा ने राजकीय अस्पताल–मथुरादास माथुर अस्पताल, जोधपुर में लगभग 10 लाख रुपये के पूंजीगत व्यय से यह सेवा पटल कार्य प्रारम्भ किया। इसके अन्तर्गत शल्य चिकित्सा में आवश्यक साज–सामान एवं औषधियाँ लागत मूल्य पर ही समाज के सभी वर्गो को प्रदान की जाती है। वर्ष में लगभग 40000 व्यक्ति इस पटल से लाभ उठाते हैं। यह पटल Cylinder, Semifolder Beds, Water Beds, Clutches, Airbed इत्यादि की सुविधायें भी मामूली किराये पर प्रतिदिनि के हिसाब से उपलब्ध कराता है। इसी पटल के माध्यम से अस्पताल में 300 लीटर की क्षमता वाले वाटर कूलर का संचालन एवं रखरखाव किया जाता है। सम्पर्क दूरभाष 0291–2725547

3. एम्बुलैंस सेवा – शाखा यह सेवा पिछले 8 साल से प्रदान कर रहा है। इसके लिये 2.35 लाख रूपये की एम्बुलैंस को क्रय करके महात्मा गांधी चिकित्सालय में व्यवस्थित की गयी है। प्रतिमाह लगभग 70–90 रोगी लाभान्वित होते हैं, जिसमें कम से कम 3 या 4 रोगी निःशुल्क भी जाते हैं। शेष बन्धु अपनी इच्छानुसार भुगतान कर देते हैं, जिससे ड्राईवर, पैट्रोल तथा रखरखाव का खर्च पूरा हो जाता है मासिक व्यय भार लगभग दस हजार रुपये आता है। सम्पर्क दूरभाष 0291–2640333

4. जल मन्दिर – चिकित्सा सामग्री सेवा पटल के माध्यम से ही अस्पताल में 50,000 रुपये की लागत से स्थापित 300 लीटर की क्षमता वाले वाटर कूलर का संचालन और रखरखाव किया जाता है। मासिक व्यय लगभग 2500 रुपये हैं।

जोधपुर मारवाड़

1. फिजियोथिरेपी केन्द्र – शाखा ने लगभग 20 लाख रुपये के पूंजीगत व्यय से यह केन्द्र स्थापित किया है। मासिक आवर्त्ती व्यय 25000 रुपये है और मासिक लाभार्थियों की संख्या लगभग 1500 व्यक्ति है। जुलाई 2007 में शाखा द्वारा इस केन्द्र में 2 लाख रु. की लागत से एक लेजर मशीन खरीदी गयी है। यह मशीन विशेष रूप से दिमागी बीमारियों, मन्द बुद्धि बच्चों, लकवा एवं मांसपेशियों की कमजोरी के इलाज में उपयोगी रहेगी।

सुमेरपुर शिवगंज

1. एम्बुलैंस – लगभग 80–90 रोगी प्रतिमाह लाभ प्राप्त करते हैं । प्रकल्प पर पूंजीगत व्यय 3 लाख रुपये हुआ है।

2. एक्सरे मशीन – पॉच लाख रुपये की लागत की एक्सरे मशीन सरकारी अस्पताल में लगवायी गयी है। मशीन के रखरखाव का उत्तरदायित्व शाखा का ही है।

सांचौर

1. मोबाइल चिकित्सा वाहन – शाखा ने तीन लाख रुपये की लागत से यह वाहन क्रय किया है। शाखा प्रति सोमवार और वृहस्पतिवार को कैम्प का आयोजन करती है तथा औषधि का नि:शुल्क वितरण करती है।

2. विकलांग सहायता केन्द्र – भारत विकास परिषद विकलांग सेन्टर, सांचौर के नये भवन का निर्माण श्री नरपत चन्द कानूनगो द्वारा अपने पुत्र के विवाह के उपलक्ष्य में दान की गयी 2200 फीट जमीन पर कराया गया है। पूंजीगत व्यय 25 लाख रुपये हुआ है और मासिक व्यय 40,000 रुपये अनुमानित किया गया है। केन्द्र का उद्घाटन 14 फरवरी 2006 को हुआ था।

3. चल अस्पताल – कानूनगो परिवार द्वारा एक वाहन भी सांचौर शाखा को उपलब्ध कराया गया है। यह वाहन चल अस्पताल के रूप में प्रतिदिन कार्य करेगा तथा एक डाक्टर और औषधियों सहित क्षेत्र के दूरवर्ती भागों में जाने की व्यवस्था की गई है। इसका मासिक व्यय 25000 रुपये होगा।

4. जल मन्दिर – पूंजीगत व्यय 50,000 रुपये

5. डिस्पैन्सरी – मासिक व्यय 15,000 रुपये

पाली

1. स्कूल भवन – पूंजीगत व्यय 6 लाख रूपये

2. भारत विकास परिषद उद्यान – पूँजीगत व्यय 2 लाख रुपये तथा मासिक व्यय दो हजार रुपये।

3. वृक्षारोपण – 8 लाख रुपये के पूंजीगत व्यय के आधार पर 1100 पेड़ों को ट्री गार्डस के साथ लगाया गया है। मासिक व्यय 9000 रुपये है।

भीनमाल

1. डिस्पैन्सरी – पूंजीगत व्यय एक लाख रुपये, लाभार्थी– 1000 व्यक्ति प्रति माह, आवर्त्ती व्यय – दस हजार रुपये।

बलोत्रा

1. जल मन्दिर – दो जल मन्दिर – पूंजीगत व्यय 1.50 लाख रूपये

2. विश्राम शेड – रोडवेज बस स्टैण्ड पर एक लाख रुपये के पूंजीगत व्यय से निर्मित।

बाड़मेर

1. शहीद सर्किल – पूंजीगत विनियोग एक लाख रूपये।

अहोरे

1. आयुर्वेदिक चिकित्सालय – मासिक व्यय 50,000 रुपये।

27. राजस्थान मध्य

एम्बुलैन्स–4, शववाहन–1, स्थायी जल मंदिर–26, पार्क अंगीकरण–6, नेत्र ऑपरेशन/परीक्षण–1, मुक्तिधाम–4, संस्कृत महाविद्यालय–1, योग प्रशिक्षण केन्द्र–1, वाचनालय एवं पुस्तकालय–7, रक्त बैंक–2, दवा बैंक–1, संस्कार केन्द्र–1, चल चिकित्सालय–1, स्थायी निर्माण–12, अन्य–6 : कुल 74

मदनगंज, किशनगढ़

1. मुक्तिधाम निर्माण एवं संचालन – वर्ष 1999 में परिषद् की मदनगंज किशनगढ़ शाखा ने वहॉ के सार्वजनिक शमशानगृह के जीर्णोद्वार एवं कायाकल्प का संकल्प लिया और हरियाली से आच्छादित तथा सर्वसुविधा युक्त 23 बीघा क्षेत्र में फैला यह स्थान देश का एक आदर्श मुक्तिधाम बन गया है। यहां पर निर्मित जल मंदिर, वाचनालय, कार्यालय, यज्ञशाला, शिवमंदिर, कबूतर खाना, अस्थि संग्रह कक्ष, टयूब वैल, स्नानागार, सुरम्य वाटिका आदि ने मुक्तिधाम को नैसर्गिक छटा युक्त बना दिया है। अन्त्येष्टि के लिये लकड़ियों का विशाल गोदाम बनाया गया है, जिससे हमेशा सूखी लकड़ी उपलब्ध रहती है जो निःशुल्क अथवा स्वैच्छिक समर्पित मूल्य पर उपलब्ध रहती है। यहां हमेशा हरिनाम संकीर्तन, नवकार महामंत्र व अन्य भगवत भजनों वाली कैसेट की सुमधुर स्वर लहरियों से आमजन भावविभोर रहते हैं। मुक्तिधाम स्नानागार में 32 व्यक्ति एक साथ गर्म/ठण्डे पानी से स्नान कर सकते हैं।

सम्पूर्ण कार्य व्यवस्था के लिये परिषद् ने स्थायी रूप से मुनीम, बागवान, सफाईकर्मी और प्याऊ कर्मचारी नियुक्त कर रखे हैं। मुक्तिधाम के निर्माण पर लगभग 60 लाख रूपये पूंजीगत व्यय हुआ है जिसे नगर के दानदाताओं से एकत्रित किया गया है। वार्षिक आवर्त्ती व्यय लगभग 4.50 लाख रूपये हैं। आवर्ती व्ययों के लिये एक स्थायी कोष बनाया गया है, जिसमें नगर के हर परिवार को जोड़ने की दृष्टि से एक हजार रुपये की सहयोग राशि ली जाती है। अभी तक आठ सौ परिवारों से एकत्रित 8 लाख रुपये बैंक में जमा हैं। सम्पर्क केन्द्र : महावीर भवन के पास अजमेर रोड, मदनगंज, किशनगढ़ (राज॰) दूरभाष : 93520–10766

2. जलमंदिर – यज्ञनारायण चिकित्सालय के परिषद् में जल व्यवस्था के लिये स्थायी जलकुटीर स्थापित कराके जन सामान्य को ठण्डा एवं स्वच्छ जल उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। व्यवस्था पर स्थायी व्यय 25000 रुपये था लेकिन वार्षिक आवर्ती व्यय लगभग 15000 रुपये हैं।

3. प्रसूतिगृह–यज्ञनारायण चिकित्सा में ही वर्ष 1997 में भारत विकास परिषद् ने लगभग 20 लाख रुपये की लागत से महिला एवं प्रसूति गृह का निर्माण राजकीय सहभागिता एवं मै0 आ0के0 मार्बल्स प्रा0 लि0 के आर्थिक सहयोग से करवाया था जो जनहित में बहुत ही उपयोगी सिद्ध हो रहा है।

4. स्थायी नेत्र चिकित्सा व्यवस्था – वर्ष 1997 से जिला अन्धता निवारण समिति, अमर ज्योति आई हॉस्पीटल एवं दानदाताओं के आर्थिक सहयोग से परिषद् प्रत्येक माह के अन्तिम शनिवार एवं रविवार को निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन करती है। प्रत्येक शिविर में 50 से 60 मरीज़ों की निःशुल्क जांच एवं परामर्श तथा 8 से 10 मरीज़ों की आंखों के मोतियाबिन्द एवं लैन्स प्रत्यारोपण के ऑप्रेशन किये जाते हैं। अब तक 5000 से भी ज़्यादा व्यक्तियों ने इन शिविरों का लाभ प्राप्त किया है एवं लगभग 700 व्यक्तियों ने ऑप्रेशन के माध्यम से नेत्र ज्योति प्राप्त की है। वार्षिक व्यय : 72,000 रु॰

5. वाचनालय – सभी प्रकार की दैनिक पत्रिकाऐं एवं अन्य बुलेटिन को पढ़कर सैंकड़ों व्यक्ति इसका लाभ उठाते हैं। भारत विकास परिषद् से सम्बन्धित पत्रिकायें भी वाचनालय में जानकारी देने के लिए उपलब्ध हैं। वार्षिक व्यय : 72,000 रु॰

6. पुलिस प्रशासन को सहयोग – स्थानीय स्तर के विवादों को भारत विकास परिषद, वादी, प्रतिवादी एवं पुलिस के सहयोग से निर्णय लेकर विवाद को सुलझा लिया जाता है। किशनगढ़ शाखा का देश मे यह अपनी तरह का अनोखा प्रकल्प है । इस प्रकार के कार्यों से भारत विकास परिषद् की छवि उज्ज्वल हुई है।

7. घास के तीन मैदानों, बगीचों का स्थायी रखरखाव – वार्षिक व्यय : 7,200 रु॰

8. कबूतर खाना – इसमें प्रति माह 15,000 किलो अनाज का प्रयोग होता है।

9. वृक्षारोपण – किशनगढ़ से खोड़ा गरोश तक 500 पेड़ लगाये गये है।

गुलाबपुरा

1. मुक्तिधाम विकास – खारी नदी के तट पर उच्च सुविधा युक्त मुक्तिधाम के विकास के लिये यह प्रकल्प 2001–2002 से परिषद ने अपने हाथ में लिया था। सांसद कोष, विधायक कोष नगरपालिका एवं स्थानीय नागरिकों से सहयोग से 16 लाख 76000 रुपये की राशि से लकड़ीघर, स्नानघर, चार दीवारी, उद्यान विकास एवं लकड़ी क्रय व्यवस्था की गई और मुक्तिधाम को सुन्दर बनाया गया। यहॉ स्थायी चौकीदार की नियुक्ति के साथ ही एक प्याऊ का निर्माण भी कराया गया।

2. कबूतर चुग्गा खाना – स्थायी प्रकल्प के रूप में प्रतिदिन मुक्तिधाम की धरा पर कबूतरों के लिए चुग्गा डाला जाता है। चुग्गे की व्यवस्था स्थानीय दान–दाताओं के सहयोग से की जा रही है।

3. रक्तदान शिविर एवं रक्त उपलब्धता – परिषद् द्वारा समय–समय पर रक्तदान शिविरों का आयोजन कर राम स्नेही चिकित्सालय के ब्लड बैंक में संग्रहित किया जाता है एवं जरूरत मंदों को आवश्यकतानुसार वर्षभर रक्त उपलब्ध कराया जाता है। भीलवाड़ा जिले का एक दिन में सर्वाधिक रक्तदान 214 यूनिट, रामस्नेही चिकित्सालय के सहयोग से रिकार्ड गलाबपुरा परिषद् ने बनाया है।

4. उद्यान विकास – 2 परिषद ने मुक्तिधाम एवं उपखण्ड कार्यालय परिसर में

60,000/– व्यय करके दो उद्यान वाटिकाओं का विकास किया गया है। इनकी सुन्दरता देखने लायक है।

5. डॉ0 राधा कृष्णन् वाचनालय – बस स्टेण्ड स्थित वाचनालय भवन में विविध सामाजिक, धार्मिक पुस्तकों एवं दो दैनिक पत्र अध्ययन हेतु उपलब्ध कराये जाते हैं। परिषद् की बैठकों एवं रक्तदान शिविर का आयोजन वाचनालय भवन में किया जाता है।

6. रोगियों को फल वितरण – रेफरल चिकित्सालय में मातृशिशु चिकित्सालय में भर्ती मरीजों को मातृशिशु द्वारा प्रत्येक अमावस्या को फल वितरण का कार्य किया जा रहा है। उक्त कार्य स्थाई प्रकल्प के रूप में किया जा रहा है।

7. स्थायी जलमन्दिर – शाखा द्वारा तीन वाटर कूलर लगाये गये।

ब्यावर

1. रोगीवाहन – शाखा ने 2,25,000 रुपये की लागत से रोगी वाहन (एम्बुलैन्स) की व्यवस्था की है। इसके द्वारा गरीब एवं निःसहाय रोगियों को सस्ती दर पर 24 घण्टे यह सेवा अमृतकौर चिकित्सालय में उपलब्ध रहती है। वार्षिक आवर्ती व्यय (आय घटाकर) 12000 रुपये हैं। यह व्यवस्था पिछले छः वर्षो से चल रही है और प्रति वर्ष लगभग 300 रोगी लाभान्वित होते हैं।

2. शव वाहिनी – शवों को निर्धारित स्थान तक पहुंचाने के लिए एक लाख रुपये की लागत से शाखा ने अमृतकौर चिकित्सालय में ही एक शव वाहिनी की व्यवस्था की है। जिस पर वार्षिक आवर्ती व्यय (आय घटाकर) लगभग 24,000 रुपये है। यह व्यवस्था पिछले पांच वर्षों से चल रही है।

3. योग प्रशिक्षण केन्द्र – यह व्यवस्था आशापुरा माता मंदिर के प्रांगण में प्रतिदिन प्रातः 6 से 7 बजे तक की गई है। औसतन 15 व्यक्ति प्रतिदिन इस केन्द्र से लाभान्वित होते हैं।

4. जल मन्दिर – इसका संचालन पिछले पांच वर्षों से किया जा रहा है। एवं इसका लाभ वर्ष में हजारों व्यक्तियों को मिल रहा है। इस पर वार्षिक व्यय 15 से 20 हजार रुपये होता है।

5. चल प्याऊ – यह प्याऊ पिछले 5 वर्ष से चल रही है।

भीलवाड़ा विवेकानन्द

1. एम्बूलेंस – पिछले 4 वर्षों से सस्ती दर पर यह सेवा नियमित है। वर्षभर से 250 से 300 व्यक्ति इससे लाभान्वित होते हैं।

2. पुस्तकालय – भारत विकास परिषद का निजी भवन बनाकर उसमें 4 वर्षों से संचालित किया जा रहा है। इसका वार्षिक आवृत्ति व्यय सदस्यों द्वारा वहन किया जाता है।

3. वाचनालय – यह सेवा पिछले 4 वर्षों से सचांलित है।

भीलवाड़ा सुभाष

1. नीम परियोजना : पिछले 3 वर्षों से परिषद् नीम परियोजना प्रकल्प को सुचारू रूप से संचालित कर रही है। अब तक 1500 से अधिक नीम विशेषकर एवं अन्य पौधों का रोपण कर पर्यावरण के लिऐ महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। यह कार्य आगे भी चलता रहेगा।

2. जल मन्दिर – पिछले 2–3 वर्षों से शीतल जल मन्दिर का संचालन कर हजारों व्यक्तियों को समय पर शीतल जल उपलब्ध कराया जा रहा है। दोनों प्याऊ परिषद् के सदस्यों द्वारा चलाई जा रही हैं। इसमें 1500 रुपये प्रतिमाह का व्यय होता है।

भीलवाड़ा महाराणा प्रताप

1. उद्यान रख रखाव– शाखा ने एक उद्यान को गोद लेकर पूर्ण विकसित करने का एक प्रकल्प लिया है। उद्यान में प्रतिदिन 100 से 150 व्यक्ति भ्रमण पर आते हैं।

2. जल मन्दिर – सन् 2004 से यह प्रकल्प संचालित है एवं सालाना हजारों व्यक्तियों को शीतल जल उपलब्ध कराया जा रहा है।

3. मोक्षधाम परियोजना – यह कार्य योजनान्तर्गत है। जिस पर 10 से 15 लाख रुपये खर्च कर उद्यान, स्नानघर, वाचनालय, ईधन गोदाम बनाना विचाराधीन है। यू.आई.टी. से इसके लिए 7 लाख रूपये स्वीकृत भी करा दिये गये हैं। एक चौकीदार की स्थायी व्यवस्था की गई है।

गंगापुर

1. रोगीवाहन – शाखा पिछले 6 वर्षों से रोगीवाहन सेवा संचालित कर रही है। वर्ष में लगभग 250 रोगी इससे लाभान्वित होते हैं।

2. जल मन्दिर – इसका नियमित संचालन किया जा रहा है।

आमेट

1. जल मन्दिर – शाखा ने दो स्थायी जल मंदिरों की स्थापना की है। इस सुविधा से लगभग 1000 नागरिक प्रति दिन लाभान्वित होते हैं।

अराई

1. जल मंदिर एवं यात्री शेड – शाखा ने नगर के बस स्टैण्ड पर यात्रियों की सुविधा के लिये स्थायी शेड निर्माण कराया है, जिसमें प्रतिदिन लगभग 500 यात्री लाभान्वित होते हैं। इस पर वार्षिक व्यय लगभग 12 हजार रुपये है।

किशनगढ़ युवा शाखा

1. ब्लड बैंक – रक्तदान महादान शिविर, ब्लड बैंक में जिस समय किसी को रक्त की आवश्यकता होती है। सम्बन्धित व्यक्ति द्वारा परिषद् को सूचित कर दिया जाता है। परिषद् द्वारा ब्लड उपलब्ध करा दिया जाता है।

विजयनगर

1. संस्कार केन्द्र – पिछले चार वर्षों से यह प्रकल्प चल रहा है। इसमें प्रत्येक दिन 12 से 15 व्यक्ति लाभानिवत होते हैं।

2. आपातकालीन दवा बैंक – विगत 4 वर्षों से इसका संचालन किया जा रहा है। इस व्यवस्था हेतु एक अलमारी भारत विकास परिषद् द्वारा राजकीय चिकित्सालय, विजयनगर में रखी गई है। वर्षभर में इसका लाभ 100 से अधिक व्यक्तियों को मिल रहा है।

3. महिला स्नानागार

सिंगावल

1. अन्नपूर्णा मन्दिर को पर्यटन स्थल बनाने के लिऐ नेशनल हाईवे से मन्दिर एवं ग्राम से मन्दिर तक 6 किलोमीटर सड़क के दोनों ओर 1000 पौधों का पौधरोपण किया गया है। सिंहद्वार का निर्माण कार्य प्रगति पर है। लागत लगभग 7 लाख रुपये होगी। इसके विकास के लिए 10–11 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है।

जालिया–II

1. राजकीय शास्त्रीय संस्कृत महाविद्यालय – स्वपोषित/योजनान्तर्गत सन् 2003 से आज तक इसका सम्पूर्ण वित्त भार, एवं संचालन प्रबन्ध परिषद द्वारा वाहन किया जा रहा है। महाविद्यालय में 81 छात्र–छात्राऐं (सवर्ण, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं मुस्लिम) अध्ययनरत है। पिछले 3 वर्षों के परिणाम 96.05 प्रतिशत से 100 प्रतिशत रहा है। राजस्थान में यह प्रकल्प एवं ग्रामीण शाखा द्वारा इसका संचालन करना परिषद एवं राजस्थान के लिए गौरव की बात है। इस प्रकल्प पर अब तक 10 लाख रुपये व्यय हो चुका है।

2. पशुओं के लिऐ पेय जल व्यवस्था – यह सेवा नियमित है एवं वर्षभर में ग्राम एवं आस–पास के हजारों पशुओं की इसके द्वारा सेवा हो रही है।

3. जल मन्दिर – इस शाखा को एक भामाशाह सदस्य द्वारा 60,000 रुपये की लागत से निर्मित प्याऊ जिसमें शीतल जल हेतु फ्रीज लगा हुआ है। नियमित पिछले 3 वर्षों से चल रही है।

4. मुक्ति धाम – शव जलाने के लिए नियमित लकड़ी की व्यवस्था हैं। दो प्लेट फार्म एवं सौन्दर्यकरण पर 3 लाख रूपये खर्च करने की योजना प्रगति पर है।

शाहपुरा

1. जलमन्दिर – पिछले 2 वर्षों से जल मन्दिर बस स्टेण्ड एवं विद्यालय के बाहर संचालित है। इनसे प्रतिदिन सैंकड़ों व्यक्तियों की सेवा हो रही है। दोनों जल मन्दिर पर वार्षिक व्यय लगभग 15000 से 20000 रुपये होता है।

2. आयुर्वेद औषधालय–इसमें स्थायी प्रकल्प के रूप में प्रतिमाह पाइल्स के ऑपरेशन किये जाते हैं। वर्ष भर में 100 से 130 व्यक्तियों का इलाज कर लाभान्वित किया जा रहा है।

गंगापुर

1. रोगीवाहन – पिछले 5 वर्षों से रोगी वाहन की व्यवस्था सस्ती दर पर की जा रही है। प्रतिवर्ष 250 के लगभग व्यक्तियों को इसका लाभ मिल रहा है।

2. जल मन्दिर–का नियमित संचालन किया जा रहा है।

बदनोर

1. विश्रान्ति गृह – परिषद् द्वारा सांसद कोष से लगभग 80000 रुपये की लागत से सार्वजनिक विश्रान्ति गृह का निर्माण कराया गया है। इससे 250–300 व्यक्तियों को प्रतिदिनि लाभ मिल रहा है।

आसीन्द

1. जल मन्दिर – स्थानीय चिकित्सालय में एक प्याऊ का संचालन किया जा रहा है। इसका वार्षिक व्यय लगभग 10000 से 12000 रूपये आता है। प्रतिदिन 200 से 250 व्यक्तियों द्वारा इससे लाभ उठाया जा रहा है।

2. रोगीवाहन – सस्ती दर पर रोगी वाहन से प्रतिवर्ष 150 से 200 व्यक्तियों को लाभ मिल रहा है।

3. मोक्ष धाम निर्माण – यह निर्माण चल रहा है। इस पर लगभग 3 लाख रुपये व्यय होगा। इसके लिए सांसद निधि से भी राशि प्राप्त हुई है।

राजाजी का करेड़ा

1. जल मन्दिर – (2) स्थानीय परिषद् बहुत जागरूक हैं। यहां पर दो प्याऊ का संचालन परिषद् द्वारा किया जा रहा है। जिनके सालाना व्यय लगभग 12,000 से 15,000 रुपये होता है। प्रतिदिन 300 से 400 व्यक्ति इससे लाभान्वित होते हैं।

2. पशुओं के लिऐ प्याऊ – पशुओं के लिऐ एक स्थायी खेली का निर्माण कराया गया है। जिसमें आस–पास के 250 से 300 पशुओं को लाभ मिल रहा है।

माण्डलगढ़

1. जल मन्दिर–का स्थायी रूप से संचालन किया जा रहा है।

माण्डल

1. नाड़ी की सफाई, मरम्मत एवं सौन्दर्यकरण – जल अमृतम् योजना के अन्तर्गत एक नाड़ी की सफाई करायी गयी एवं लगभग 5000 रुपये से अधिक खर्च कर मरम्मत की गई। इससे स्थानीय पशुओं को पानी पीने की सुविधा का लाभ मिल रहा है।

गुलाबपुरा

1. वाटर कूलर /जल मन्दिर–स्थानीय राजकीय चिकित्सालय में पिछले 4 वर्षों से एक वाटर कूलर परिषद् के भामाशाह सदस्य के सहयोग से लगाया गया है। इससे 150 से 200 व्यक्ति प्रतिदिन लाभान्वित हो रहे हैं।

2. जल मन्दिर – मोक्षधाम के बाहर एक प्याऊ का संचालन किया जा रहा है। पिछले 4 वर्षों से राहगीर एवं अन्य व्यक्ति इससे लाभान्वित हो रहे हैं।

राजसमन्द

1. वाचनालय – 3 : परिषद् द्वारा स्थानीय नागरिकों के सहयोग से 3 वाचनालयों का संचालन कर रही है। वाचनालयों में दैनिक पत्रिकाऐं सामाजिक एवं धार्मिक पुस्तकें भी अध्ययन हेतु उपलब्ध कराई गई है। इसका आवृत्ति व्यय सालाना 10000 से 12000 रूपये हैं।

2. जल मन्दिर – विगत 3 वर्षों से परिषद द्वारा एक जल मन्दिर का संचालन किया जा रहा है। इसका वार्षिक व्यय 12,000 से 15,000 रूपये है। नागरिकों से भी सहयोग लिया जा रहा है।

आमेट

1. जल मन्दिर –शाखा द्वारा स्थायी प्याऊ की व्यवस्था 3 वर्षों से अधिक समय से की जा रही है। इससे 200 से 300 व्यक्तियों को प्रतिदिन लाभ मिल रहा है।

देवगढ़

1. जलमन्दिर–बस स्टेण्ड पर 1.75 लाख रुपये खर्च कर श्रीमती मांगीबाई शीतल जल मन्दिर का निर्माण कराया गया है। जिसका उद्घाटन दिनांक 26–6–2006 को किया गया है। जल मन्दिर का निर्माण ऐसी जगह किया गया है, जहां हर समय सैंकड़ों यात्री आते–जाते रहते हैं।

केकडी

1. जल मन्दिर

जहाजपुर

1. जल मन्दिर

2. स्नालगृह

28. राजस्थान दक्षिण

एम्बुलैन्स–5, क्लीनिकल लैब–1, स्थायी जल प्याऊ–7, वाचनालय–1, डिस्पैन्सरी–1, स्कूल अंगीकरण –2, मूर्तियों की स्थापना–3, अन्य –2 : कुल 22

बांसवाड़ा

1. एम्बुलैन्स सेवा – शाखा अनेक वर्षों से इस सेवा को चला रही है। इस सेवा का प्रारम्भ 3.20 लाख रुपये के पूंजीगत व्यय से हुआ था। वार्षिक आवर्ती व्यय 5000 रुपये है। वर्ष में लगभग 200 रोगी/परिवार इससे लाभान्वित होते हैं।

2. ग्राम अंगीकरण – शहर के निकट कोठारा गांव का अंगीकरण किया गया है जिसमें विद्यालय, सडंक, पर्यावरण इत्यादि में शाखा ने योगदान दिया है।

बड़ी सादरी

1. एम्बुलैन्स सेवा – यह सेवा सत्र 2003–04 में श्री चन्द्र जी कृपलानी, सांसद द्वारा उपलब्ध करायी गयी एम्बुलैन्स द्वारा प्रारम्भ की गयी है।

बेंगू

1. एम्बुलैन्स सेवा – वर्ष 2003 में यह सेवा प्रारम्भ की गई।

2. जल मंन्दिर – शाखा ने राजकीय चिकित्सालय में स्थायी जल मंछिर बनाया है।

कपासन

1. एम्बुलैन्स सेवा – यह सेवा सत्र 2001–2002 में प्रारम्भ की गई थी। इससे वर्ष में लगभग 300 रोगी लाभान्वित होते हैं।

2. जल मंदिर – ये सेवा गत छः वर्षों से चल रही है।

चित्तौड़गढ़

1. एम्बुलैन्स सेवा – शाखा ने यह सेवा सत्र 2001–2002 में प्रारम्भ की तथा वर्ष में लगभग 250 रोगी लाभान्वित होते हैं। उक्त वाहन श्री चन्द्र कृपलानी सांसद निधि से उपलब्ध कराया था।

भीलवड़ा

1. वाचनालय – शाखा ने पूर्व सांसद द्वारा लगभग एक लाख रुपये के प्रदत्त भवन में सन् 2002 में वाचनालय की स्थापना की। इसमें प्रारम्भ में 10750 रुपये साज–सज्जा पर व्यय किये गये। पत्र–पत्रिकाओं पर वार्षिक व्यय लगभग 3300 रुपये आता है। यह वाचनालय प्रतिदिन शीतकाल में सांय 5 से 8 बजे तक और ग्रीष्मकाल में सांय 6 से 9 बजे तक तथा अवकाश के दिवस प्रातः 7 से 9 बजे तक खुलता है।

उदयपुर – उदय

1. गांव अंगीकरण – शाखा ने नयाखेड़ गांव को गोद लेकर उसके समग्र विकास का प्रकल्प लिया है और पिछले 8 वर्षों में स्कूल, सड़क तथा औषधालय का निर्माण कराया है।

उदयपुर सुभाष

1. नीम परियोजना – शाखा ने पर्यावरणीय दृष्टि से उदयपुर नगर में सतत् रूप से नीम के पेड़ लगाने का प्रकल्प लिया है। गत 8 वर्षों में नगर में 2,000 से अधिक लोहे के ट्री–गार्ड सहित नीम के पौधे लगाये जा चुके हैं। इसके लिये शाखा नव वधु के आगमन पर, प्रियजनों के जन्म दिवस पर या दिवंगत स्वजनों की स्मृति में ट्री–गार्ड सहित पेड़ लगाने के लिये प्रेरित करती है। प्रकल्प का संदेश है – आओ पेड़ लगायें, हरित उदयपुर बनायें।

उदयपुर विवेकानन्द

1. पशुओं के लिये प्याऊ – पशुओं के पीने के पानी की दृष्टि से स्थायी प्याऊ बनवायी है, जिसमें 4 खेलो के माध्यम से पानी की उपलब्धता रहती है। प्रतिदिन 100 से 125 पशु लाभान्वित होते हैं।

डूंगरपुर

1. जल मन्दिर – यह स्थायी सेवा गत 6 वर्षों से चल रही है और प्रति दिन लगीग 300 नागरिक लाभान्वित होते हैं।

खेरवाड़ा

1. तीन मूर्तियों की स्थापना – कस्बे के तीन चौराहों पर क्रमशः चन्द्रशेखर आजाद, स्वामी विवेकानन्द और सरदार पटेल की मूर्तियां स्थापित की हैं और इस पर लगभग 1.50 लाख रूपये व्यय किया गया है।

सलूम्बर

1. पशुओं के लिये प्याऊ – पास के गांव में पशुओं के पीने की 4 स्थायी प्याऊ का निर्माण कराया गया जो वर्ष भर चलता रहता है।

2. पशु चिकित्सा – ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर पशु चिकित्सा की जाती है और प्रतिवर्ष हजारों पशु स्वास्थ्य लाभ लेते हैं।

कानौड

1. पशुओं के लिये प्याऊ – शहर में पशुओं हेतु दो पक्की प्याऊ का निर्माण कराया गया है।

ऋषभदेव

1. मरीजों को भोजन वितरण – चिकित्सालय में भर्ती निर्धन मरीजों को पिछले 7 वर्षों से निःशुल्क भोजन वितरण कराया जा रहा है। इससे 15 से 25 मरीज प्रतिदिन लाभान्वित होते हैं।

साबला

1. जल प्याऊ – स्कूल परिसर में एक टयूब वैल खुदवा कर एक स्थायी प्याऊ का निर्माण कराया गया है, जिससे स्कूल के 600 छात्र लाभान्वित होते हैं।

बड़ीसादड़ी

1. पैथोलोजी लैब – स्थानीय चिकित्सालय परिसर में न लाभ न हानि के आधार पर पैथोलोजी लैब प्रारम्भ की गयी है।

29. राजस्थान दक्षिण पूर्व

विकलांग सहायता केन्द्र–1, अस्पताल–4 ;3 निर्माणधीन सहितद्ध, एम्बुलेन्स–3, स्थायी जल मंदिर–5, पार्क अंगीकरण–3, मुक्तिधाम–6, वाचनालय–1, ऑक्सीजन बैंक–1, डिस्पेन्सरी–2, बाल संस्कार केन्द्र–1, अन्य–3 : कुल 30

कोटा

कोटा की शिवाजी एवं सुभाष शाखाओं की पहल पर एक पंजीकृत संगठन के रूप में भारत विकास परिषद् सेवा संस्थान का गठन किया गया है और इसके द्वारा एक विशाल एवं आधुनिक चिकित्सालय के रूप में भारत विकास परिषद चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र की स्थापना की गई है। इसका शिलान्यास 8 दिसम्बर 1995 को मा0 श्री सत्यमित्रानन्द जी गिरि के कर कमलों से सम्पन्न हुआ और चिकित्सालय का लोकार्पण 4 दिसम्बर 1997 को हुआ।

चिकित्सालय में ओ0पी0डी0 सुविधाएं मैडिसिन, सर्जरी, कार्डियोलॉजी ;हृदय रोगद्ध, स्त्री रोग, बाल रोग, नेत्र, नाक–कान, अस्थि रोग, दन्त रोग, न्यूरोलॉजी, चर्मरोग, आहार एवं पौषण विशेषज्ञ, फिजियोथैरेपी एवं होम्योपैथी, सुपर स्पेशलिस्ट एवं वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा उपलब्ध हैं। 125 बिस्तरों की इन्डोर सुविधां एवं 8 बिस्तरों का केन्द्रीय वातानुकूलित सुसज्जित आई0सी0सी0यू0, 3 बस्तिरों का सुसज्जित आई0सी0यू0, 5 कमरों का डीलक्स बार्ड एवं 10 कमरों का सुसज्तित सुपरडीलक्स ब्लॉक, नवजात शिशुओं हेतु विशेष सघन चिकित्सा सुविध एन0आई0सी0यू0 अन्य सुविधाऐं हेतु केन्द्रीय वातानुकूलित एवं उपकरणों से सुसज्जित ऑपरेशन थियेटर, सुसज्जित पैथोलॉजी लैब, एक्स–रे एवं अल्ट्रासोनोग्राफी, 2 डी ईको कलर डोप्लर, टी0एम0टी0, एन्डोस्कोपी, एन्जियोग्राफी, एन्जियोप्लास्ट्री एवं बलून माइट्रेल वाल्वॉटोमी विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा न्यूनतम दरों पर की जाती है। चिकित्सालय में जांच, परामर्श एवं ऑपरेशन शुल्क भी कोटा नगर के अन्य निजी चिकित्सा संस्थाओं से 40 से 50 प्रतिशत कम लिया जाता है। चिकित्सालय के ''औषध केन्द्र'' द्वारा रोगियों को न्यूनतम दर पर दवाईयां दी जा रही हैं। चिकित्सालय में रोगियों एवं उनके परिजनों के लिए कैन्टीन एवं आवास सुविधा भी उपलब्ध हैं। चिकित्सालय का उद्देश्य हाड़ौती क्षेत्र के गरीब निःसहाय जनता को बिना लाभ हानि के आधार पर अच्छी एवं सस्ती चिकित्सा सेवाऐं उपलब्ध कराना है। चिकित्सालय प्रति वर्ष 25–30 शिविर ग्रामीण एवं अन्य क्षेत्रों में जाकर लगाता है। नेत्र लैंस प्रत्यारोपण एवं ई0एन0टी0 शिविर विभिन्न स्थानों पर जा कर लगाने की सुविधा उपलब्ध है।

1997 से लेकर 2003 (सितम्बर) तक चिकित्सालय में हुई प्रगति निम्न प्रकार है –

वर्ष	1998	1999	2000	2001	2002	2003
ओ0पी0डी0	33206	71057	76668	85103	104010	84297
भर्ती	1760	3250	4568	5479	8903	7540
शल्य क्रियायें	225	2150	1288	5010	5849	6088
पैथोलॉजी	21600	27600	30100	30024	40929	35204
एक्स–रे	–	6900	10304	12925	12437	11343
सोनोग्राफी	–	1444	4140	5888	6255	5941
2 डी ईको कलर डोप्लर	–	–	–	1802	2174	1407
टी0एम0टी0	–	–	–	1188	1359	706
हौमियोपैथी	1805	1757	2381	2748	4275	14696
निःशुल्क सेवायें (ओ॰पी॰डी॰ एवं इन्डोर)	रु0 25600	50000	446532	539068	579895	565169

नशामुक्ति शिविर (जून 2002) ओ॰पी॰डी॰ : 60 भर्ती : 15

अप्रैल 2002 से सितम्बर 2003 तक एन्जियोग्राफी, एन्ज्योप्लास्टी एवं बलून माइट्रेल वाल्वॉटोमी : 725

भारत विकास परिषद सेवा संस्थान द्वारा 8.12.1996 से संचालित विकलांग पुनर्वास केन्द्र द्वारा सितम्बर 2003 तक दिये गये उपकरणों की संख्या : केलिपर – 210, कृत्रिम पैर–1074, कृत्रिम हाथ–362, बैसाखी –838, श्रवण यंत्र–5, ट्राई साईकिल –210, अन्य सहायता–1023 कुल लाभान्वित विकलांग बन्धु 3722 इस केन्द्र पर चल चिकित्सा वाहन भी उपलब्ध हैं।

हड़ौती क्षेत्र एवं मध्यप्रदेश के लोगों को हृदय रोग की बाईपास सर्जरी की सुविधा उपलब्ध कराने की योजना है। इसमें कुल लागत लगभग 3.00 करोड़ आयेगी। भारत विकास परिषद कोटा इस महत्वकांक्षी योजना को हाथ में लेकर इस चिकित्सालय का सफलता पूर्वक संचालन कर रही है। बिना लाभ हानि के आधार पर राजस्थान एवं मध य प्रदेश के लोगों को सभी प्रकार के रोगों की चिकित्सा उपलब्ध हो सके इसे ध्यान में रखकर यह चिकित्सालय कार्यरत है। यह उल्लेखनीय है कि अभी तक इस अस्पताल में 2 करोड़ रूपये से अधिक का विनियोग हो चुका है। पताः प्रताप नगर, दादा बाड़ी, कोटा (राज0) दूरभाष 0744–2504501–05, फैक्स नं0 0744–2501178

कोटा विवेकानन्द

1. प्याऊ संचालन – बूंदी रोड पर 25000 रुपये की लागत से स्थायी प्याऊ का निर्माण कराया गया है।

2. परिषद् वाटिका – महाराजा भीमसिंह अस्पताल के परिसर में 50,000 रुपये की लागत से भारत विकास परिषद वाटिका विकसित की है जिस पर वार्षिक रख–रखाव व्यय 12000 रुपये आता है। यह वाटिका रोगियों एवं परिजनों के लिये स्वच्छ एवं छायादार विश्राम स्थल बन गयी है।

अटरू

1. चिकित्सा केन्द्र – स्वामी विवेकानन्द चिकित्सा केन्द्र का प्रारम्भ किया है, जिसका वार्षिक आवर्ती व्यय लगभग 50000 रुपये हैं यह केन्द्र प्रातः 9 से 1 बजे तक तथा सांय 4 बजे से 5.30 तक खुलता है तथा वर्ष में लगभग 4000 रोगी लाभान्वित होते हैं।

2. जल मंदिर – 30000 रुपये की लागत से जल मंदिर की स्थापना की है।

3. वाचनालय

मोडक

1. मुक्तिधाम – स्थानीय मुक्तिधाम को विकसित करने का प्रकल्प लिया है, जिसमें लगभग 1.65 लाख रूपये की लागत से 250 गुणा 150 फीट की 6 फीट ऊंची बाउण्ड्री बनवायी गयी है तथा वृक्षारोपण किया गया है।

2. चिकित्सालय – यह प्रकल्प अभी प्रारम्भिक अवस्था में है। शाखा 35 हजार रूपये व्यय करके बाउण्ड्री वॉल बना चुकी है। शाखा इस प्रकल्प के लिये सांसद निधि तथा अन्य स्रोतों से लगभग 3 लाख रुपये की व्यवस्था कर चुकी है।

रामगंज मण्डी

1. चिकित्सालय – यह निर्माणाधीन है और इसके लिये लगभग 1 करोड़ रूपये मूल्य की भूमि दान में प्राप्त की गयी है। भूमि का कुल क्षेत्रफल 47 हजार वर्गफीट है, जिसमें से 8 हजार वर्ग फीट भूमि पर 3 मंजिला निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण कार्य पर बीस लाख रूपये से अधिक व्यय हो चुका है। वर्तमान में चिकित्सालय में जो सुविधायें उपलब्ध हैं। वे निम्न प्रकार है –

(अ) एम्बुलेन्स सेवा – यह सेवा सांसद कोष से प्राप्त राशि के आधार पर वर्ष 2004 से चल रहा है। प्रारम्भिक लागत 3 लाख रूपये और मासिक व्यय 2000 रुपये है।

(ब) एक्सरे एवं लेबोरेट्री – सात लाख रुपये के पूंजीगत व्यय से प्रारम्भ यह व्यवस्था भी वर्ष 2004 से चल रही है।

(स) चिकित्सक – वर्तमान में दो चिकित्सक– होम्योपैथी एवं एक्यूप्रेशर नियमित रूप से बैठते हैं।

2. मुक्तिधाम – शाखा ने जनवरी सन् 1999 में नगर पालिका से इस मुक्तिधाम को गोद लिया और उसके पश्चात् लगभग 300 दानदाताओं से प्राप्त अनुमानित राशि

10 लाख रूपये से निम्न सुविधायें जुटाई गयी है –

(अ) मुक्तिधाम की भूमि के चारों ओर 6 फीट ऊंची बाउण्ड्री दीवार का निर्माण।

(ब) कुल भूमि लगभग दो बीधा है, इसके दो भाग किये गये है एक अन्तिम संस्कार स्थल तथा दूसरा भाग स्नान एवं मन्दिर निर्माण हेतु,

(स) स्नान हेतु कूये, बोरिंग तथा नए कनैक्शन से दस स्नानागार बनाये गये हैं। सर्दी में गरम पानी की व्यवस्था रहती है।

(द) नित्य प्रति चिड़ी – चुग्गा डालने की व्यवस्था रहती है।

(य) श्रृद्धांजलि कक्ष – माइक व्यवस्था के साथ।

(र) मन्दिर श्री वटेश्वर महादेव, जिसमें शिवमन्दिर के साथ बने मंडप में नव दुर्गा की मूर्तियों की स्थापना की गयी है ।

(ल) शव – विच्छेदन कक्ष – सांसद कोष से

(व) महिला स्नान घर – विधायक कोष से

(स) रात्रि में समुचित प्रकाश की व्यवस्था – नगर पालिका द्वारा मुक्तिधाम पर एक वैतनिक चौकीदार भी रखा गया है। वार्षिक व्यय लगभग तीस हजार रूपये है।

3. **विवेकानन्द वाटिका** – प्रारम्भिक लागत 5000 रुपये मासिक व्यय 500 रुपये।

केशोरायपाटन

1. जलमंदिर – लगभग 50000 रुपये की लागत से स्थायी जल मंदिर बनाया गया है जिस पर लगभग 1000 रुपये मासिक व्यय आता है।

झालाबाड

1. पार्क अंगीकरण – इसे 20000 रुपये व्यय कर विकसित किया गया है।

बारा

1. रोगी वाहन (एम्बुलेन्स) – 3 लाख रूपये की लागत से यह प्रकल्प प्रारम्भ किया गया है। मासिक व्यय लगभग 2000 रुपये है।

भवानीमण्डी

1. मुक्तिधाम – इसे विकसित करने पर लगभग दो लाख रूपये व्यय किये गये है।

2. ऑक्सीजन बैंक – लगभग दस हजार रूपये की लागत से यह बैंक विकसित की गयी है।

3. एम्बुलेन्स सेवा – लगभग 3 लाख रूपये की लागत से यह सेवा प्रारक्भ की गयी है।

4. धर्मार्थ चिकित्सालय–शाखा द्वारा रामनगर में सीताराम अग्रवाल धर्मशाला में निःशुल्क धर्मार्थ चिकित्सालय प्रारम्भ किया गया है।

छाबड़ा

1. चिकित्सालय – शाखा द्वारा चिकित्सा क्षेत्र में सेवा करने हेतु स्थायी प्रकल्प श्री मांगीलाल धामोत्या परिषद चिकित्सालय, छाबड़ा का शिलान्यास समारोह 23 जून 2006 को सम्पन्न हुआ है। नगरपालिका छाबड़ा द्वारा ढाई बीघा भूमि परिषद को चिकित्सालय हेतु आवंटित की गई जिसकी दस प्रतिशत राशि 11 लाख 70 हजार रूपये परिषद सदस्यों ने जमा करवाकर भूमि पर शिलान्यास कराया गया। चिकित्सालय पर लगभग 45 लाख रूपये व्यय करने की योजना है।

प्रान्त में अन्य स्थायी प्रकल्प निम्न प्रकार है –

	शाखा	प्रकल्प	लागत (रु.)	मासिक व्यय (रु.)
1.	शिवाजी कोटा	बस्ती अंगीकरण	2000.00	
2.	सुल्तानपुर	तीन टयूबवैल	75000.00	1000.00
3.	सांगोद	मुक्तिधाम	अनु0	अनु0
4.	सुनिल	मुक्तिधाम	अनु0	अनु0
5.	चौमहला	मुक्तिधाम	अनु0	अनु0
6.	बून्दी	(अ) स्थायी जल मन्दिर	20000	1000
		(ब) 9 हैण्ड0 पम्प	20000	–
7.	सुभाष कोटा	संस्कार केन्द्र	–	1000
8.	झालरापाटन	गौशाला में जलापूर्ति	20000	500

30. मध्य भारत पश्चिम

एम्बूलेन्स–1, बाल संस्कार केन्द्र–1, रियायती भोजन सेवा–1, कुल 3

देवास

1. जिला चिकित्सालय में आहार सेवा – इस प्रकल्प में शासकीय जिला चिकित्सालय में भर्ती रोगी के साथ आने वाले परिजन या सहयोगी को अस्पताल परिसर में स्थित भोजनशाला से मात्र 5 रुपये सहयोग राशि लेकर शुद्ध एवं सात्विक भर पेट भोजन की व्यवस्था की गयी है।

2. बाल संस्कार केन्द्र – देवास शहर के करीब पांच किलोमीटर दूर शंकरगढ़ की पहाड़ी पर एक सौ पचास गरीब मजदूरों की बस्ती में एक बाल संस्कार केन्द्र प्रारम्भ किया गया है। इस हेतु दो महिला शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। परिषद के सदस्यों द्वारा भी सप्ताह में एक दिन नियमित जाकर बस्ती के लोगों से सम्पर्क किया जाता है।

जावेद

1. एम्बुलेन्स – अन्तर्राष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के आचार्य 1008श्री रामदयाल जी महाराज (शाहपुर पीठ) के द्वारा 1 जून 2006 को एक एम्बुलेंस प्रदान की गई। जिसके द्वारा मरीजों को चिकित्सा के लिये लाने व पहुंचाने का सेवा कार्य प्रारम्भ किया गया है।

31. मध्य भारत पूर्व

चिकित्सा केन्द्र–2, चलित चिकित्सा इकाई–1, संस्कार केन्द्र–1, जलमन्दिर–2, पार्क–1, योग केन्द्र1, एक्यूपंचर क्लीनिक–1, कुल 9

शिवपुरी

1. चिकित्सालय – भारत विकास परिषद चिकित्सालय प्रारम्भ किया है। जिसमें केवल वाह्य रोगी सेवायें उपलब्ध हैं। मरीजों को दवा निःशुल्क दी जाती है और प्रति माह लगभग 100 रोगी लाभान्वित होते हैं।

गुना

1. संस्कार केन्द्र – प्रतिदिन लगभग 40 बच्चे आते हैं तथा 2 शिक्षक नैतिकता एवं भारतीय संस्कृति की शिक्षा प्रदान करते हैं।

गालव (ग्वालियर)

1. चलित चिकित्सा इकाई–24 अगस्त 2006 को भारतीय स्टेट बैंक द्वारा गालव शाखा को अनुदान स्वरूप एक मारुति वैन 'चलित चिकित्सा इकाई' प्रदान की गई है। शाखा सदस्य श्री लक्ष्मीनरायण शिवहरे द्वारा इसके संचालन के लिये एक वर्ष तक प्रतिमाह दस हजार रु. देने की घोषणा की गई।

2. निःशुल्क ओ.पी.डी.–यह व्यवस्था प्रान्तीय संरक्षक श्री आर.डी. जैन द्वारा प्राप्त निःशुल्क भवन में दैनिक आधार पर की गई है। डाक्टरों की सुविधा विड़ला संस्थान द्वारा निःशुल्क प्राप्त हुई है। औषधियों पर मासिक व्यय लगभग 13,000 रु. है, जिसमें से 5,000 रु. श्री आर.डी. जैन द्वारा 5,000 रु. रैड–क्रॉस सोसाइटी द्वारा तथा 3,000 रु. परिषद् सदस्यों द्वारा प्रदान किये जाते हैं।

3. एक्यूपंक्चर क्लीनिक–यह सुविधा शाखा के एक सदस्य द्वारा साप्ताहिक आधार पर अपने क्लीनिक पर प्रदान की जाती है।

4. स्थायी जल मन्दिर–दौलतगंज में

5. स्थायी जल मन्दिर–नई दुनिया कार्यालय पर

डबरा शाखा

1. **पार्क**–स्थायी रखरखाव
2. **योग केन्द्र**–साप्ताहिक आधार पर

32. गुजरात उत्तर–दक्षिण

विकलांग सहायता केन्द्र–1, वाचनालय–1, डिस्पेन्सरी–1, फ़िज़ियोथैरपी केन्द्र –2, तबीवी साधना सहायता केन्द्र–3, मोबाईल वैन–1, कुल 9

पाल्डी (अहमदाबाद)

1. विकलांग सहायता केन्द्र – यह केन्द्र अपने यहां सुविधायें प्रदान करने के साथ ही स्थान–स्थान पर विकलांग सहायता शिविरों का आयोजन भी करता है। केन्द्र ने विकलांग मुक्त गुजरात को कल्पना की है तथा राज्य सरकार से उस केन्द्र के लिये 41 लाख रूपये स्वीकृत हुआ है।

2. तबीवी साधना सेवा केन्द्र – यह केन्द्र जरूरतमंद लोगों को नाम मात्र के किराये पर उपकरण प्रदान करता है।

ईसानपुर (अहमदाबाद)

1. फ़िज़ियोथिरेपी केन्द्र एवं हौम्योपैथी क्लीनिक – उसके माध्यम से फ़िज़ियोथैरेपी उपचार तथा निःशुल्क होमियोपैथी उपचार एवं औषधि वितरण की व्यवस्था होती है। प्रतिमाह लगभग 125 रोगी लाभान्वित होते हैं।

2. अध्ययन पुस्तकालय – इस व्यवस्था के अन्तर्गत बैठने की उचित सुविधा के साथ विद्यार्थियों को पढ़ने का अच्छा वातावरण प्रदान किया जाता है। प्रति माह लगभग 100 विद्यार्थी इससे लाभान्वित होते हैं।

मनिनगर (अहमदाबाद)

1. फ़िज़ियोथिरेपी केन्द्र–इस केन्द्र में जरूरतमंद लोगों को सस्ती दरों पर फिजियोथैरपी उपचार की सुविधायें उपलब्ध हैं। लगभग 100 रोगी प्रतिवर्ष लाभान्वित होते हैं।

हटकेश्वर (अहमदाबाद)

1. तबीवी साधना सेवा केन्द्र

हारीज

1. तबीबी साधना सेवा केन्द्र

2. मोबाईल वैन – शाखा द्वारा संचालित मोबाईल बैन परमानेन्ट प्रोजेक्ट केयर कार्यक्रम का उद्देश्य देहात के उन क्षेत्रों में जरूरतमंद व्यक्तियों को निःशुल्क दवाई वितरित करना है, जहां बस की सुविधा नहीं है।

राजकोट आनन्दनगर

1. होमियोपैथिक क्लीनिक – इस केन्द्र में रोगियों को पूरे एवं अन्तिम सुधार तक निःशुल्क औषधि वितरित की जाती है। लगभग 50 रोगी प्रतिमाह लाभ उठाते हैं।

33. महाराष्ट्र (कोस्टल)

विकलांग पुनर्वास केन्द्र–1, स्कूल–3, गौशाला–1, सरस्वती मन्दिर–2, सिलाई केन्द्र–1, वाल क्रीडाकेन्द्र–2, मैडीकल सैन्टर–1, अन्य–2, कुल 13

मलाड पश्चिम

1. विकलांग पुनर्वास केन्द्रः– शाखा ने अप्रैल 2006 में एक विकलांग पुनर्वास केन्द्र का अंगीकरण किया है। इसमें जहां एक और विकलागों को ट्राइसकिल एवं कैलीपर्स प्रदान किये जाते है वहीं दूसरी और शारीरिक रूप से विकलांग एवं निर्धन रोगियों का उपचार किया जाता है तथा उन्हें आत्म निर्भर बनाने के लिये वोकेशनल प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है।

मलाड पूर्व

1. स्कूल–मलाड पूर्व में कुरार गाँव में मंगेश विद्या मन्दिर स्कूल स्थापित किया गया है, जहाँ लगभग 4,000 विद्यार्थी मराठी माध्यम से अध्ययन करते हैं।

जे.बी. नगर शाखा

1. गौशाला–यह गौशाला थाने जिले में तलसारी गाँव में 10,000 वर्ग फीट क्षेत्र में विकसित की गई है और वर्तमान में इसमें 72 गाय है। इस गौशाला में एक गोबर गैस संमन्त्र भी विकसित किया जा रहा है।

2. सुन्दरकाण्ड पाठ–लक्ष्मीनारायण मन्दिर में प्रति सप्ताह सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन किया जाता है।

3. एवं 4. सरस्वती मन्दिर–दो स्कूलों में सरस्वती प्रतिमा के साथ सरस्वती मंदिरों का निर्माण कराया गया है, जहाँ प्रतिदिन विद्यार्थी प्रार्थना एवं दर्शन करते हैं।

बोरावली शाखा

1. दाता पाडा म्यूनिसिपल स्कूल–शाखा ने इस स्कूल को गोद लिया है, जहाँ मराठी, गुजराती और हिन्दी माध्यम से लगभग 6,000 विद्यार्थी अध्ययन करते है।

2. सिलाई एवं मैंहदी कक्षायें–निर्धनों के लिये दातापाडा म्यूनिसिपल स्कूल में सिलाई एवं मैंहदी कक्षायें चलायी जा रही है।

3. बाल वाड़ी

4. मैडीकल केन्द्र– कान्डीवली (पश्चिम) में सैक्टर 3 में भारत विकास मैडीकल सैन्टर स्थापित किया गया है।

5. BVP Accupressure Centre - यह केन्द्र प्रति सप्ताह शुक्रवार को कार्य करता हैं

थाने शाखा

1. बाल क्रीडा केन्द्र–जनरल हॉस्पीटल में एक **'Children Play Room'** विकसित किया गया है।

दोम्बीवली शाखा

1. स्कूल–मानसिक रूप से कमजोर बच्चो के लिये यह स्कूल स्थापित किया गया है। वर्तमान में इसमें 16 विद्यार्थी है।

34. ANDHRA PRADESH

विकलांग सहायता केन्द्र–1

Viklang Rehabilitation Centre

Under the Charitable, apart from many activities, Viklang activity is the main activity. The centre was inaugurated on 12.10.1993 on Vivekananda Jayanthi Day . At the start itself the workshop was fully established and the first 10 legs were distributed on 2nd may, 1993 by Shri Jagmohanji, Ex-Governor,Jammu and Kashmir and our National Vice president. The Kendra was able to provide artificial legs and calipers to more than 1,000 handicapped persons yearly.

Achivements : By using HDPF & Fiber raw materials instead of the Aluminium sheet used for the traditional Jaipur Foot,it has become possible to manufacture most modern artificial limbs light in weight and convenient to the users.

New Strides in development Artificial working Hands : The Kendra has the unique distinction of providing two hands and two legs to one person and the amputee is leading normal life with both artificial hands and legs.

Bharat Vikas Foot : The modern poly-propylene Foot (Reinforced) has been developed and a protoype of the foot was presented to the delegates of Andhra Prades State Council of Bharat Vikas Parishad. The council has unanimously decided to name it, the 'Bharat Vikas Foot' which is super light, as compared to the Jaipur foot, which was designed.

As a Training Centre : By virtue of the experience and expertise gained over the four years and more, the Bhagyanagar Centre could impart technical training.

35. ANDHRA PRADESH WEST

सुनामी पीड़ित पुनर्वास केन्द्र–1

Bharat Vikas Parishad Bajaj Rural Development Trust has been formed to utilise the land of 7.3 acres at Madgul,Chetampally village(in Rangareddy District about 80km from Hyderabad) donated by Shri Parag Bajaj, of Detroit, U.S.A. Building will be constructed to accomodate Tsunami victims, Destitutis, Physically handicapped, Orphans with a School and Vocational Training Centre. Foundation stone was laid on 23rd April 2006.

36. KARNATAKA SOUTH

स्कूल / स्कूल अंगीगरण–3, बस्ती अंगीगरण–1, कुल 4

1. School at Malavalli, Mandya District.
2. School at Nanjangud, Mysore District.
3. Adopted a slum for overall development at Yediyur, Jayanagar, 6th Block Bangalore city.
4. Adopted a Government Primary School at Joogemahalli, Rajaji nagar, Bangalore city.

37. KERALA

चिकित्सा केन्द्र–2 स्कूलों का अंगीकरण–5 विवेकानन्द मूर्ति– 1 अन्य–3 : कुल 11

Branches	Project
Thiruvananthapuram	1. Medical clinic every 3rd Sunday of the month at the Madhava Swamy Ashramam premises at Thirumala, Trivandrum. 2. Coaching of students around Ashram with an ultimate goal of personality development of children.
Kochi Main	Supply of educational articles to schools selected by the branch as required by the schools.
Kochi East	Looks after the needs of boys of Mathuchayya- medical and schooling.
Kochi Paschim	Looks after the health of students in schools at Fort Cochin and environment of that area.
Alappuzha	Health projects and planting of plants.
Guruvayur	Helping the devotees of Guruvayur Temple whenever there are special programmes in the temple.
Ernakulam	Environment-plants
Kollam	Help environment and social services to poor.
Kozhikode	Looks after the requirement of school students and medical check up of students.
State level	Installing of Swami Vivekananda's Statue at Cochin.

38. TAMILNADU

विकलांग सहायता केंन्द्र–1

Viklang Sahayatha Yojna (Rehablilitation of Disabled)

BVP Tamilnadu is presently carrying out Phase-I of this project in association with **Hindu Mission Hospital** Tanbaram and for this purposse a charitable trust'BVP Janaseva Trust' has been constituted . The mission of this project is to make the Rehabilitation centre inHMH as a model place in the entire south India and to reach the needy persons and cater them effectively and efficiently. The number of beneficiaries was 136 in 1999-2000 which increased to 246 in 2001-2002 and 339 in 2004-2005 Total cost incurred during 2004-2005 on providing artificail limbs and appliances through this centre was Rs 8.18 lakh(approx) (Contact person:R. Hariharan,Phone 52033377,Place :Hindu Mission Hospital, Tamboram)